आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 21 अगस्त 2026 ■ श्रावण शुक्ल पक्ष-9 ■ वर्ष -42 ■ अंक-143 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 22 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

शर्मिला टैगोर और कंगना रनौत वंदे मातरम् पर भिड़ीं

सांसद बोलीं- हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर निकलिए

नई दिल्ली,21 अगस्त। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' पर सियासी संग्राम जारी है। संसद से पास होने और कानून बनने के बाद भी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कांग्रेस ने इसके दो छंद ही गाने का प्रस्ताव पास किया है। इसे बीजेपी और कांग्रेस में जुबानी जंग जारी है। अब वंदे भारत पर शर्मिला टैगोर और कंगना रनौत भिड़ गईं हैं। 70-80 के दशक की दिग्गज बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने वंदे मातरम के दो ही पैरा गाने की वकालत की। इसे लेकर कंगना रनौत ने शर्मिला टैगोर पर निशाना साधते हुए हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर निकलने की नसहीत दे डाली। दरअसल शर्मिला टैगोर ने राष्ट्रगीत के बाद के छंदों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भों का उल्लेख करते हुए केवल शुरुआती दो छंदों को ही बनाए रखने का सुझाव दिया था। उन्होंने तर्क दिया था कि एक ईश्वर में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए इन छंदों को स्वीकार करना कठिन हो सकता है। शर्मिला टैगोर के इस बयान वाले वीडियो को

अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करते हुए कंगना रनौत ने निशाना साधा। बीजेपी सांसद ने लिखा- मैं खुश हूं कि शर्मिला जी ने वंदे मातरम को लेकर अपनी आपत्ति के बारे में बात की। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हैरान हूं कि कला और कविता को लेकर उनकी सोच इतनी छोटी और बनावटी कैसे हो सकती है। किसी भी कविता या गीत में शब्द रूपक होते हैं। कवि या कलाकार मनचाहा असर पैदा करने के लिए हर तरह की कल्पना करता है और असंभव लगने वाली समानताएं खींचता है।

कंगना ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को उद्धृत करते हुए अपनी बात रखी। कंगना ने आगे लिखा-स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मुझे ऐसे युवा चाहिए जिनकी मांसपेशियां लोहे की, हड्डियां स्टील की और नसों में बिजली दौड़ती हो। वे मौसम का हाल नहीं बता रहे थे, बल्कि देश की युवा शक्ति का आह्वान कर रहे थे। कृपया इस हिंदू-मुस्लिम वाली सोच से बाहर आएं। यदि हम एक ही ईश्वर पर विश्वास करते हैं, तब भी डॉक्टर ताकत को 'शक्ति' ही कहते हैं। आइए हम सब एक-दूसरे को अपना समझकर गले लगाएं।

महादेव एप केस: सौरभ चंद्राकर ने मांगी सुरक्षा

रायपुर,21 अगस्त। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के कथित किंगपिन सौरभ चंद्राकर ने भारत लाए जाने से पहले अपनी जान को खतरा बताया है। चंद्राकर ने ओमान पुलिस के अधिकारियों से कहा है कि भारत की जेल में उसकी जान को खतरा हो सकता है। उसने खुद के साथ अपने परिवार की सुरक्षा की भी मांग की है। चंद्राकर ने दावा किया है कि अगर उसे सुरक्षा दी जाती है, तो वह भारतीय जांच एजेंसियों के सामने पूरे सट्टा नेटवर्क से जुड़ी अहम जानकारी देने को तैयार है। उसने सट्टा कारोबार से जुड़े राजनीतिक लोगों से कथित कनेक्शन, पैसों के लेन-देन और विदेशों में मौजूद संपत्तियों की जानकारी देने की बात कही है। जानकारी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर ने कथित तौर पर कहा है कि वह भारत आने के बाद सक्षम जांच एजेंसियों और अदालत के सामने अपना बयान दर्ज कराने के लिए तैयार है। उसका कहना है कि उसे सुरक्षित रखा जाए और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों से अलग रखा जाए, ताकि वह बिना दबाव के पूरी जानकारी दे सके। चंद्राकर ने अपनी सुरक्षा के साथ परिवार की सुरक्षा की भी मांग की है। उसने आशंका जताई है कि इस मामले से जुड़े प्रभावशाली लोगों के कारण उसे नुकसान पहुंचाया जा सकता है। उसने पूछताछ के दौरान न्यायिक निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक, दस्तावेजी सबूतों को सुरक्षित रखने की मांग भी की है। सौरभ चंद्राकर फिलहाल ओमान में हिरासत में है। इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर उसे ओमान पुलिस ने हिरासत में लिया था। भारत की एजेंसियां उसे वापस लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही हैं। हालांकि, ओमान में उसके खिलाफ अलग कानूनी कार्रवाई भी चल रही है। चंद्राकर ने वकील के जरिए इन कार्रवाईयों को चुनौती दी है। सौरभ चंद्राकर की ओर से सुरक्षा मांगने का मतलब यह नहीं है कि उसे मामले में कानूनी छूट मिल जाएगी। उसके दावों और दी जाने वाली जानकारी की जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से जांचेंगी। उसके खिलाफ अपराध के सबूत मिलने पर संबंधित मामलों में कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

जेल में कैदी की मौत पर सीएस व डीजी से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

बिलासपुर,21 अगस्त। महासमुंद जिला जेल में हत्या के आरोप में बंद नीरज भोई की संदिग्ध मौत पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। पोस्टमार्टम में शरीर पर 35 चोटों के निशान मिलने के बाद कोर्ट ने मुख्य सचिव और डीजीपी से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने दोनों अधिकारियों को 31 अगस्त तक व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि जेल में बंद आरोपी की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शरीर पर इतनी चोटें कैसे आईं। कोर्ट ने हिरासत में हिंसा और मौत को गंभीर मामला बताते हुए कहा कि जेल में बंद व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य की है। राज्य की ओर से बताया गया कि परिवार को 7.50 लाख रुपये मुआवजा दिया जा चुका है। अब अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी।

तीन दिनों से लापता शख्स की खारुन नदी में मिली लाश

रायपुर,21 अगस्त। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां एक शख्स की लाश खारुन नदी में तैरती हुई मिली है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी के साथ ही मामले की जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान चंगोराभाटा निवासी उमेन्द्र देवांगन (53) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उमेन्द्र 18 अगस्त को बिना किसी को कुछ बताए निकला था। परिजनों ने डीडी नगर थाने में उसकी गुमसुदी की शिकायत भी दर्ज कराई थी। इस दौरान उसकी लाश आज खारुन नदी में तैरती हुई मिली, जिससे हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी के साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

सोमालिया में समुद्री लुटेरों का बड़ा हमला

नई दिल्ली,21 अगस्त। सोमालिया के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि समुद्री लुटेरों ने सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास कैमरून के झंडे वाले एक कार्गो जहाज़ को अगवा कर लिया। इस जहाज़ पर तुर्की के हथियार लदे थे और लुटेरे इसे नुगाल तट की ओर ले गए।

महासमुंद में नकली पनीर का भंडाफोड़

रायपुर-ओडिशा तक हो रही थी सप्लाई

महासमुंद,21 अगस्त। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में वैद्य फूड प्रोडक्ट्स के प्लांट से जब्त पनीर का सैंपल अमानक पाया गया है। जांच में यह प्रतिबंधित एनालॉग पनीर निकला। प्रशासन ने करीब 300 किलो नकली पनीर को जेसीबी से गड्ढा खोदकर नष्ट कर दिया और प्रोडक्शन यूनिट को सील कर दिया। मामले में संचालक शोभित सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। यह कार्रवाई प्लांट के खिलाफ मिली शिकायत के बाद शुरू हुई थी। खाद्य विभाग की टीम ने 17 अगस्त की देर रात प्लांट में छापा मारा था। टीम को करीब 3 एकड़ में चल रही इस फैक्ट्री में 300 किलो पनीर मिला था। यहां बना पनीर रायपुर और ओडिशा तक भेजा जा रहा था। नकली पनीर और मिलावटी सामान के खिलाफ प्रदेश में 17 अगस्त से फूड डिपार्टमेंट विशेष अभियान चला रहा है, जो 23 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान अलग-अलग जिलों में दुकानों, होटलों और फैक्ट्रियों की जांच की जा रही है। खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जा रहे हैं। जांच में मिलावट पाए जाने पर संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री कानपुर के रहने वाले शोभित सिंह की है। रविवार देर रात जिला प्रशासन की टीम ने फैक्ट्री में दबिश दी थी। टीम में फूड डिपार्टमेंट के अधिकारी उमेश वर्मा, सांखनाद भोई और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट जुगल किशोर पटेल समेत पुलिस बल मौजूद था। इस दौरान वहां रीब 10 से 12 कारीगर काम कर रहे थे, जो कि मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के रहने वाले थे। जांच के दौरान फैक्ट्री में 300 किलो पनीर मिला। उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर संदेह होने पर अधिकारियों ने तैयार पनीर को जब्त कर लिया। जांच में यह भी सामने आया कि भालेसर में यह फैक्ट्री करीब एक साल से संचालित हो रही थी। जांच के दौरान करीब 300 किलो तैयार पनीर जब्त किया। सील किए गए कोल्ड स्टोरेज को अगले दिन सुबह नियमानुसार खोलकर पनीर की जांच की। जांच के लिए टीम ने करीब एक किलो पनीर का सैंपल लिया और उसे रायपुर की लैब में भेजा।लैब रिपोर्ट में सैंपल अमानक और एनालॉग पनीर पाया गया।

प्रेमिका को छत्तीसगढ़ से यूपी ले जाकर 20 हजार में बेचा

रायपुर,21 अगस्त। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले से मानव तस्करी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ में मजदूरी के दौरान प्रेम संबंध बनने के बाद एक युवक अपनी प्रेमिका को अपने गांव ले आया। हालांकि, घर पहुंचते ही जब पत्नी ने इस रिश्ते का कड़ा विरोध किया, तो आरोपी ने महिला को 20 हजार रुपये में अपने दोस्त के हाथों बेच दिया। घटना बांदा जिले के बदौसा थाना क्षेत्र की है। मुख्य आरोपी विनय छत्तीसगढ़ की एक लोहे की फैक्ट्री में मजदूरी का काम करता था।

पुलिस स्टेशन के बाहर धरने पर बैठे राहुल और प्रियंका

पैलेट गन घायल युवक को साथ लेकर पहुंचे

नई दिल्ली,21 अगस्त। दिल्ली में पैलेट गन मामले को लेकर राहुल गांधी आर-पार के मूड में नजर आए। राहुल गांधी पीड़ित साहिल लोहबच को साथ लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे और पुलिस से जांच व FIR की जानकारी मांगी। आरोप है कि अब तक FIR दर्ज नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी थाने के बाहर ही धरने पर बैठ गए। उनके समर्थन में कांग्रेस के कई बड़े नेता भी मौके पर पहुंच गए। मामला 20 जुलाई के छात्र आंदोलन से जुड़ा है, जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के दौरान कथित पैलेट गन इस्तेमाल का आरोप लगा था। सुप्रीम कोर्ट ने भी पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड कमेटी गठित की है। अब राहुल गांधी के धरने के बाद मामला एक बार फिर गरमा गया है।

फूटा वर्षों पुराना बांध, सैकड़ों एकड़ फसल पर संकट

कवर्धा,21 अगस्त। ग्राम सरैहा में वर्षों पुराना बांध अचानक टूट गया। बताया जा रहा है कि बांध में पहले एक छोटा सा छेद हुआ था, लेकिन समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण यह धीरे-धीरे बड़ा होता गया। आखिरकार बांध का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और देखते ही देखते उसमें जमा पानी तेजी से बाहर निकल गया। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण बांध में पानी का स्तर और दबाव बढ़ गया था। इसी दौरान मिट्टी के बहने और पहले से मौजूद छोटे छेद के बड़ा होने से बांध कमजोर पड़ता गया। ग्रामीणों के अनुसार, स्थिति को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, जिसके बाद बांध का एक हिस्सा टूट गया। बांध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी बहकर बाहर निकल गया। आसपास के खेतों में पानी भरने से किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ग्रामीणों के मुताबिक, सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि प्रभावित हो सकती है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। बांध टूटने के बाद मौके पर एक अलग नजारा देखने को मिला। पानी तेजी से बाहर निकलने के बीच कुछ ग्रामीण जाल लेकर पहुंच गए और बहते पानी में मछलियां पकड़ते नजर आए। घटना का यह दृश्य क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बांध काफी पुराना और जर्जर स्थिति में था। बांध में बने छोटे होल की जानकारी पहले से होने के बावजूद उसकी समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई। लगातार बारिश के कारण पानी का दबाव बढ़ा और कमजोर हिस्सा आखिरकार टूट गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते बांध की मरम्मत और निगरानी की जाती तो इसे टूटने से बचाया जा सकता था। अब किसानों को अपनी फसल के नुकसान की चिंता सता रही है।

अनुकंपा नियुक्ति में दिवंगत कर्मचारी की विधवा को मिलेगी प्राथमिकता

बिलासपुर, 21 अगस्त। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि दिवंगत शासकीय कर्मचारी की विधवा को नियुक्ति में सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी। विधवा के पात्र और उपलब्ध होने की स्थिति में कर्मचारी की बहन या अन्य परिजन अनुकंपा नियुक्ति का दावा नहीं कर सकते। यह फैसला जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच ने सुनाया।मामले के अनुसार, याचिकाकर्ता दीपशिखा साहू के भाई अभिषेक साहू की शासकीय सेवा के दौरान मृत्यु हो गई थी। अभिषेक सहायक ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी हीरा साहू, बहन दीपशिखा और दिव्यांग भाई हैं। अभिषेक की मृत्यु के बाद दीपशिखा और उनकी भाभी हीरा साहू ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था।जिला शिक्षा अधिकारी ने 23 अक्टूबर 2021 को हीरा साहू को भृत्य के पद पर नियुक्ति देने का आदेश जारी किया। इसे दीपशिखा ने हाईकोर्ट में चुनौती दी और आरोप लगाया कि उनकी भाभी अलग रह रही हैं.

पूर्व कांग्रेसी मंत्री के ठेके की सड़क के खिलाफ उतरे कांग्रेस विधायक

गड्ढों में की धान की रोपाई

बिलासपुर, 21 अगस्त। रतनपुर-केंदा-केवची राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 की जर्जर हालत और धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य के विरोध में कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क के गड्ढों में धान की रोपाई कर शासन-प्रशासन और निर्माण व्यवस्था पर तंज कसा। करीब दो घंटे चले धरना-प्रदर्शन और चक्काजाम के बाद अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन समाप्त किया गया।विधायक ने कहा कि एनएच-45 छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश के जबलपुर से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, लेकिन सड़क पर गहरे गड्ढे और कीचड़ के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है। उन्होंने घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग और निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग की।मौके पर पहुंचे तखतपुर एसडीएम नितिन तिवारी, रतनपुर तहसीलदार और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के कार्यपालन अभियंता को विधायक ने ज्ञापन सौंपा। इसमें गड्ढों की तत्काल मरम्मत, निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने, सड़क की गुणवत्ता की जांच, दोषी ठेकेदार का ठेका निरस्त करने तथा लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई।अटल श्रीवास्तव ने चेतावनी दी कि जल्द सुधार नहीं हुआ तो कोटा विधानसभा क्षेत्र में इससे बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा।

जंतर-मंतर पर अब आरक्षण हटाने के लिए आंदोलन

नई दिल्ली,21 अगस्त। आरक्षण हटाओ की मांग को लेकर सैकड़ों लोग शुक्रवार को जंतर-मंतर पर पहुंच गए। यूजीसी नियमों को लेकर भी गुस्सा जाहिर किया गया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा कि रामलीला मैदान में प्रदर्शन की इजाजत दी गई है। नीट पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन के बाद जंतर-मंतर पर नया विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। शुक्रवार को 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' के लिए सैकड़ों लोग जंतर-मंतर पहुंचे। प्रदर्शनकारी आरक्षण और यूजीसी नियमों के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। एक तरफ जहां सैकड़ों प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर पहुंच गए तो दिल्ली पुलिस ने बताया कि शाम 4 बजे तक के लिए रामलीला मैदान में प्रदर्शन की इजाजत दी गई है। जंतर-मंतर पर शुक्रवार को सुबह से ही लोग जुटने शुरू हो गए थे। दोपहर होते-होते भीड़ काफी बढ़ गई। लोग हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर नारे लगाते हुए एकत्रित हो गए।

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने भारतीय खेल तंत्र की विफलता का किया पर्दाफाश

खिलाड़ियों में विजयी होने के लिए आत्मविश्वास भरते हैं नरेन्द्र मोदी

आलेख .. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर.रायपुर, (छ ग).

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रिंट,इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया ,खेल मंत्रालय और खेल अधिकारियों,खिलाड़ियों के समक्ष 15 अगस्त 2026 के दिन एक प्रश्न चिन्ह छोड़ दिया। जिसका उत्तर देशवासियों को सकारात्मक रूप से देना चाहिए .जैसा कि हम सब जानते हैं कि मई 2014 से जब से नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में बागडोर संभाला है।

तब से वे इस बात के कारण बहुत चिंतित हैं कि आखिर क्या वजह है? जब भारतीय प्रतिभागी बहु खेल स्पर्धा के सारे विधाओं याने कि 360 विधा में से सिर्फ 120 याने एक तिहाई विधा में भाग लेते हैं तो फिर कैसे हमारे खिलाड़ी सम्मान जनक पदक जीतकर बन सकेंगे विश्व विजेता? हमारे देश की आबादी करीब 147 करोड़ हैं परंतु हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में फिसड्डी क्यों साबित होते रहे हैं ? प्रधानमंत्री इस बात को बार बार दोहरा रहे हैं,इसमें कोई दो मत नहीं कि हमारे देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं फिर भी हमारे खिलाड़ियों को विपक्षी खिलाड़ी कैसे मात दे देते हैं? यह एक गंभीर प्रश्न है , जिस पर प्रधानमंत्री ने खेल विशेषज्ञों,पूर्व विजेताओं , खेल पत्रकारों आदि से बातचीत की और भारत के ओलंपिक पदक विजेता लेफ्टी.कर. राज्यवर्द्धन सिंह राठौर को केंद्रीय खेल मंत्री नियुक्त किया तथा विभागीय अधिकारियों और भारतीय खेल प्राधिकरण से जुड़े खेल क्षेत्र के समस्त सहयोगियों को एक साथ मिलकर समस्या का हल निकालने का जिम्मा सौंपा। आखिरकार लंबे विचार विमर्श के पश्चात इस बात का रहस्योद्घाटन हुआ कि जमीन से जुड़े खेल प्रतिभाओं की खोजकर उन्हें उचित, कठिन प्रशिक्षण दिया जाए तो भारत में अनेक खेलों के अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकल सकते हैं . साथ ही ऐसे उदयीमान खिलाड़ियों तथा उनके अभिभावकों की रूचि खेल के प्रति बनी रहे इसलिए उन्हें खेल से संबंधित आवश्यक खेल सामग्री, पोशाक तथा खान-पान के लिए नकद धनराशि मासिक या वार्षिक आधार पर दिया जाए।

इसके अलावा खेल प्रशिक्षण केंद्र में अत्याधुनिक खेल क्षेत्र तथा खेल उपकरण तथा उच्च प्रशिक्षित कोच उपलब्ध कराया जाए जिस अत्याधुनिक जिम, फिजियोथेरेपिस्ट, आहार विशेषज्ञ, खेल से संबंधित बीमारियों, शारीरिक कमजोरी के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक आदि उपलब्ध हो। उपरोक्त बातों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीतिगत ठोस निर्णय लेते हुए 2017-18 से भारत में खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुवात की। इसके लिए अब तक करीब 6100 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।जिसके माध्यम से पूरे भारत के खेल संसार में हलचल मचा हुआ है। वैसे भी स्पष्ट है कि जो परिणाम अभी ओलंपिक खेलों व अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आ रहे हैं। उसे संतोषजनक कहा जा सकता है। खेलो इंडिया को अब 2026 -27 से खेलों इंडिया मिशन का नाम दिया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण को प्रतियोगिता करवाने, प्रशिक्षित प्रशिक्षक उपलब्ध कराने , भारतीय ओलिंपिक संघ से अच्छे संबंध बनाकर चलने आदि के लिए पिछले 12वर्षों में 5150 करोड़ से अधिक राशि आबंटित की जा चुकी है .खेलो इंडिया मिशन के माध्यम से हमारे देश में प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की कोशिश में सभी प्रबुद्ध जन एक मत हैं। ऐसा करने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का हौसला लगातार बढ़ता जा रहा है. भारत की स्वतंत्रता 1947 से लेकर अब तक के इतिहास में ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ जो किसी खास खेल के खिलाड़ियों को नहीं बल्कि सभी खेलों के खिलाड़ियों उनकी सफलता के लिए मीडिया के विभिन्न माध्यम से तत्काल स्वयं आगे बढ़कर बधाई देते हैं। वस्तुतः प्रधानमंत्री के इस तरह के प्यार, दुलार, पुचकार और आर्शीवाद के कारण भारत के उदयीमान विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के अंदर किसी भी मुकाबले में जीत हासिल करने की उम्मीद जग रही है . प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत माता के लिए अपनी किशोरावस्था, जवानी को दांव पर लगाने वाले खेल प्रतिभाओं के अंदर सफलता रूपी आत्मविश्वास का श्वास फूँक दिया है। बस अब आवश्यकता है जब भी हमारे देश के किसी भी खेल के खिलाड़ी विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में मुकाबला करने मैदान में उतरते हैं, पूरा देश उनकी कामयाबी के लिए अपने ईस्ट देव से प्रार्थना करे। इससे हमारे देश के खिलाड़ियों के अंदर असफलता की दुष्टआत्मा पराजित होगी और भारत माता की जयकारा विश्व में गूंजेगी।

विधायक के प्रयासों से ग्राम पंचायत दामापुर में लिंक कोर्ट की स्थापना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,21 अगस्त। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में जनता की सुविधाओं और राजस्व प्रकरणों के त्वरित समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से ग्राम पंचायत दामापुर में लिंक कोर्ट (नवीन उप तहसील) की स्थापना हेतु आज स्वीकृति मिली है। इसके पूर्व भी नगर पंचायत पांडातराई एवं ग्राम पंचायत रणवीरपुर में नवीन उप तहसील की स्थापना विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से हुई जिससे हजारों किसानों व ग्रामीण परिवारों को उनके घर व गांव के नजदीक ही इस विभाग से जुड़ी सेवाओं का लाभ मिल रहा है।क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग के पूरा होने पर विधायक भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा जी का आभार व्यक्त करते हुए ग्राम पंचायत

दामापुर एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को बधाई दी। ग्राम पंचायत दामापुर में इस नए लिंक कोर्ट के प्रारंभ होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भू-राजस्व सहित विभिन्न प्रशासनिक कार्यों एवं आवश्यक राजस्व एवं प्रशासनिक सेवाएं उनके क्षेत्र के समीप ही उपलब्ध होंगी, जिससे समय, धन और श्रम की बचत होगी। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि दामापुर में लिंक कोर्ट की स्थापना क्षेत्र के विकास और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था क्षेत्रवासियों के और करीब आएगी साथ ही उनके क्षेत्र में ही आवश्यक सरकारी सेवाएं उपलब्ध होंगी। पहले किसी भी राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को काफी राहत मिलेगी।उन्होंने कहा कि विशेष रूप से किसान, महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक इससे लाभान्वित होंगे। खसरा-खतौनी एवं नक्शा, नामांतरण, जमीन का बंटवारा, जमाबंदी, लगान, राजस्व वसूली, ऋण मुक्ति प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व संबंधी कार्य अब अधिक सहजता से कराए जा सकेंगे। इसके साथ ही अन्य प्रशासनिक शिकायतों के निराकरण में भी स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलेगी।विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह लिंक कोर्ट सरकार और जनता के बीच एक सेतु का काम करेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हमारे किसान भाई-बहनों और ग्रामीणों को त्वरित समाधान मिलेगा। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य कर रही है। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत पूर्व में पांडातराई व रणवीरपुर और अब ग्राम पंचायत दामापुर में लिंक कोर्ट स्थापना की स्वीकृति इसी सोच का परिणाम है, जिसमें प्रशासन को आम नागरिक के द्वार तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, इससे कार्यों में तेजी आएगी। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक गतिविधियां बढ़ने से क्षेत्र में रोजगार एवं छोटे व्यवसायों को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन मिलेगा। मैं समस्त क्षेत्रवासियों को इस सौगात के लिए बधाई देती हूं।

एक नजर

गांजा बेचने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 21 अगस्त (तछसं.) । भिलाई उतई थाने पुलिस ने मुखबिरकी सूचना पर मीलपारा डुमरडीह में घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.602 किलोग्राम गांजा और 1,550 रुपए नगद बरामद किया गया। आरोपी की पहचान सोम चंदेल, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड 18, मीलपारा, ग्राम डुमरडीह के रूप में की गई है उतई टीआई मोहन भारद्वाज ने बताया कि आरोपी अपने घर से लगे आंगन में गांजा बिक्री के लिए रखे हुए था। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उतई पुलिस को सूत्र से सूचना मिली थी कि सोम चंदेल निवासी डुमरडीह अपने घर से लगे आंगन, मीलपारा डुमरडीह में गांजा बिक्री के लिए रखा है सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सोम चंदेल बताया। में पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे क्रीम रंग के थैले से लगभग 1.602 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ इसके साथ ही 1,550 रुपए नगद भी मिला पुलिस ने गांजे और नगद राशि को जब्त किया है एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

3 भैसों को कत्लखाना ले जाते 8 गिरफ्तार

भिलाई, 21 अगस्त (तछसं.) । भिलाई उतई थाना क्षेत्र के पुरई में पिकअप वाहन में तीन भैंसों को ठूंसकर नागपुर के कत्लखाने ले जा रहे दो नाबालिग समेत आठ आरोपियों को उतई थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से पिकअप, एक एक्सयूवी कार और बाइक जब्त की है बरामद भैंसों को गौठान भेज दिया गया उतई टीआई मोहन भारद्वाज ने बताया कि मवेशियों के अवैध परिवहन की सूचना पर पेट्रोलिंग टीम ने ग्राम पुरई की नर्सरी के पास घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की इसी दौरान पिकअप में तीन भैंसें ठूंसकर ले जाते हुए मिलीं मौके से कमल गिरी गोस्वामी, जीमू गोस्वामी उर्फ संजू गोस्वामी, कमलेश गिरी गोस्वामी, करन गिरी गोस्वामी, टोमन यादव, जागेश्वर सिंह और दो नाबालिगों को पकड़ा गया पूछताछ में आरोपियों ने भैंसों को नागपुर के कत्लखाने ले जाना बताया उतई थाने पुलिस ने पशुक्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत प्रकरण दर्ज किया है ।

आपसी विवाद में हत्या,युवक गिरफ्तार

भिलाई, 21 अगस्त (तछसं.) । दुर्ग पाटन थाना क्षेत्र में शराब पीने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक की लात-घूंसों से मारपीट कर हत्या कर दी गई पाटन थाने पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपी विपिन चंद्राकर को गिरफ्तार कर लिया है पाटन टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि ग्राम फुंडा निवासी रूपेश कुमार वर्मा शराब खरीदने पाटन शराब दुकान गया था वहां ग्राम चीचा निवासी विपिन चंद्राकर से शराब पीने की बात को लेकर विवाद हो गया विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई आरोपी ने रूपेश के पेट और निजी अंग पर लात-घूंसों से हमला किया। गंभीर चोट लगने से वह जमीन पर गिर गया। सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। रात में तबीयत में सुधार होने पर परिजन उसे घर ले गए हालांकि रात करीब नौ बजे उसकी मौत हो गई पाटन थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर के अंदरूनी हिस्सों में चोट की पुष्टि हुई इस के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश कर उसे गिरफ्तार कर लिया आरोपी के खिलाफ धारा 103 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

बैठक में आयुक्त ने समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 अगस्त । आयुक्त सुरुचि सिंह ने शहर के विकास कार्यों को गति देने और नागरिकों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों को 30 सितंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए उपलब्ध निधि का उपयोग उनकी मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि के लिए किया जाए। विकास शुल्क से होने वाले निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त सुरुचि सिंह ने शहर में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सड़क, नाली एवं सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। निगम के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज नागरिक शिकायतों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया। बैठक में निगम क्षेत्र की दुकानों एवं भवनों के किराया निर्धारण की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने नियमानुसार किराया निर्धारित कर निगम की आय बढ़ाने तथा राजस्व से जुड़े कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। कुरूद स्थित डॉग हाउस की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उसे एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ करने और वहां आवश्यक संसाधन, साफ-सफाई एवं समुचित संचालन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगरोत्थान योजना के तहत समग्र शिक्षा एवं स्वामी आत्मानंद स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। आयुक्त ने आवश्यक सिविल एवं मूलभूत कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने कहा। शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए चल रहे लेफ्ट फ्री कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। वहीं चंद्रा-मौर्या के सामने प्रस्तावित हाइजेनिक फूड जोन के निर्माण एवं आबंटन के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने कहा गया। आयुक्त ने मूलभूत मद से होने वाले पम्प, पाइप लाइन, सिविल कार्य, वाहनों एवं उद्यानों के संधारण सहित अन्य मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। मतदान केन्द्रों में आवश्यक संधारण कार्य और नागरिकों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने भी कहा गया। गौशाला के संचालन एवं रखरखाव की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने साफ-सफाई, रखरखाव और आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। निगम के वाहनों में होने वाली ईंधन खपत की समीक्षा कर ईंधन की बचत, वाहनों के नियमित संधारण तथा अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, डी.के. कोसरिया, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, राजस्व अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो को बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम:विजय बघेल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 अगस्त । रेडियो श्रोता दिवस के अवसर पर दो दिवसीय अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ रेडियो श्रोता संघ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से रेडियो उद्घोषक और श्रोता शामिल हुए। इस दौरान प्रतिभागियों ने रेडियो से जुड़ी अपनी यादें और अनुभव साझा किए। सम्मेलन के समापन अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे रेडियो श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रेडियो को लोकप्रिय बनाने में उद्घोषकों के साथ-साथ श्रोताओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए रेडियो श्रोताओं को सम्मानित भी किया गया। सांसद विजय बघेल ने रेडियो से जुड़े अपने पुराने अनुभव साझा करते हुए कहा कि रेडियो का महत्व पहले भी था, आज भी है और भविष्य में भी बना रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने विचार और संदेश देशवासियों तक पहुंचाने के लिए रेडियो को एक प्रभावी माध्यम बनाया और 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए करोड़ों लोगों से संवाद स्थापित किया। सम्मेलन के संयोजक एवं छत्तीसगढ़ रेडियो श्रोता संघ के संरक्षक अशोक बजाज ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य रेडियो के प्रति लोगों के जुड़ाव को बनाए रखना तथा नई पीढ़ी के बीच भी इसकी लोकप्रियता को जीवंत रखना है। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर समां बांधा। वहीं पुराने दौर में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न रेडियो सेटों की प्रदर्शनी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे रेडियो प्रेमियों ने इस आयोजन के माध्यम से रेडियो से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को एक बार फिर ताजा किया।

लूट के मामले में युवक गिरफ्तार

भिलाई, 21 अगस्त । भिलाई सुपेला के लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल के पास सड़क पर मोटर साइकिल रोक कर युवक पर धारदार हथियार से हमला करने और उसके पास से मोबाइल फोन व नगदी लूटने के मामले में सुपेला पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हैं आरोपी की पहचान दिलबाग सिंह, (26 साल) निवासी चांदना टिम्बर, वार्ड -7, पांच रास्ता, सुपेला के रूप में हुई है सुपेला टीआई एस एन सिंह ने बताया कि प्रार्थी मोटर साइकिल से किट्टी बुक डिपो जा रहा था इसी दौरान शासकीय अस्पताल सुपेला के पास आरोपी ने अपनी बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 07 डीएफ प्रार्थी के सामने रोक दी आरोपी ने रास्ता रोकने के बाद प्रार्थी से गाली-गलौज की और धारदार हथियार निकालकर उस पर हमला कर दिया हमले में प्रार्थी के बाएं हाथ की हथेली में चोट आई इसके बाद आरोपी ने प्रार्थी की जेब में रखा मोबाइल फोन और 500 रुपए नगद कथित रूप से लूट लिया ।

अहिवारा विधानसभा पर संदीप ने किया शोध

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 अगस्त । हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी ने संदीप कुमार को राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। इनके शोध का विषय दुर्ग जिले के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विकास में अनुसूचित जाति के जनप्रतिनिधियों के योगदान का राजनीतिक अध्ययन था। उन्होंने अपना यह शोध कार्य डॉ डी एन सूर्यवंशी पूर्व प्राचार्य सेठ आरसीएस महाविद्यालय निर्देशन में किया। इस शोध प्रबंध के बाह्य परीक्षक डॉ प्रकाश मणि त्रिपाठी पूर्व कुलपति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक थे। मौखिक साक्षात्कार में डॉ बी.एन. मेश्राम विभागाध्यक्ष राजनीति एवं पूर्व प्राचार्य, डॉ अल्का मेश्राम प्राचार्य इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय वैशाली नगर, डॉ नागरत्ना गणवीर शा. महा.रिसाली, डॉ अंजना ठाकुर प्राचार्य शा. महाविद्यालय अर्जुनी, डॉ प्रमोद कुमार यादव विभागाध्यक्ष सेठ आर. सी. एस महा. दुर्ग, डॉ अरविन्द शुक्ला, डॉ आयशा अहमद, डॉ प्रदीप जाम्बुलकर प्राचार्य डोंगरगढ़, डॉ मणिमेखला शुक्ला कल्याण महा, डॉ अमृतेश शुक्ला वैशाली नगर, डॉ पी.डी. सोनकर जामुल महा., डॉ विजयलक्ष्मी देवांगन शा. महा. साजा तथा डॉ हेमंत साव विश्वविद्यालय प्रतिनिधि प्रभारी पी. एच. डी सेल के अलावा शोधार्थी खोरबाहरा पटेल, नितेश कुमार साहू, भानु प्रताप सिंह, मनोज साहू, टेकेश कुमार भट्ट कवर्धा उपस्थित थे।

घुघवा से देवबलौदा तक निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा

उतई, 21 अगस्त। भगवान शिव के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति को समर्पित कांवड़ यात्रा का आयोजन आगामी 23 अगस्त रविवार को किया जा रहा है। यह भव्य धार्मिक यात्रा सनातन जागरण समिति पाटन के संयोजक प्रणव शर्मा के तत्वावधान में आयोजित होगी। यात्रा का शुभारंभ प्रातः 8 बजे ग्राम नारायणपुर (घुघवा-क) से होगा जहाँ शीतला तालाब से जल भरकर श्रद्धालु कांवड़ लेकर देवबलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक पहुंचेंगे। सनातन जागरण समिति द्वारा क्षेत्र के सभी शिवभक्तों, युवाओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से इस पावन यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है।

इंद्रजीत सिंह की पहल पर यूथ सिख सेवा समिति ने महिला के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 अगस्त । सिख सेवा समिति भिलाई ने मानवता की सेवा का परिचय देते हुए एक जरूरतमंद महिला के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह को बृहस्पतिवार की दोपहर उनकी माता कुलवंत कौर ने जानकारी दी कि कोहका गुरुद्वारा साहिब में नियमित रूप से आने वाली हरबंश कौर 58 वर्ष का निधन हो गया है। मृतका का निवास विवेकानंद नगर, कोहका में था और उनके परिवार में केवल उनकी बुजुर्ग मां हैं। सूचना मिलते ही यूथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने तत्काल समिति की टीम को अंतिम संस्कार की सेवा के लिए भेजा। शाम होने के कारण सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्रता से की गईं। गुरुद्वारा कमेटी के सहयोग से मृतका को अंतिम संस्कार के लिए नहलाकर तैयार किया गया तथा अंतिम अरदास की गई। इसके पश्चात यूथ सिख सेवा समिति भिलाई की टीम द्वारा आगे की अंतिम संस्कार संबंधी सेवा और व्यवस्थाएं की गईं। हरबंश कौर का अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया, जहां मृतका को जानने वाले एक भाई ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर यूथ सिख सेवा समिति भिलाई और गुरुद्वारा कमेटी द्वारा की गई सेवा की सराहना की गई।

खनिज संशोधन अधिनियम का सेल ने किया स्वागत, कच्चे माल की सुरक्षा होगी मजबूत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 अगस्त । स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने केंद्र सरकार द्वारा 17 अगस्त को अधिसूचित खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 का स्वागत किया है। कंपनी ने इसे खनिज क्षेत्र में वित्तीय स्थिरता और दीर्घकालिक नीतिगत निश्चितता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

सेल के अनुसार संशोधन से खनिज कराधान एवं शुल्कों में स्पष्टता और एकरूपता आएगी तथा लंबित कर मामलों के समाधान से खनन क्षेत्र में भरोसा बढ़ेगा। लौह अयस्क और कोयले की कैप्टिव खदानों वाली सेल को इससे खनन कार्यों की आर्थिक स्थिति बेहतर होने, नए निवेश और खदानों के विकास में सुविधा मिलने की उम्मीद है। बेहतर खदान विकास से घरेलू बाजार में लौह अयस्क की उपलब्धता बढ़ेगी। नियमों के तहत सेल अतिरिक्त लौह अयस्क को बाजार में उपलब्ध करा सकेगी, जिससे घरेलू आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और भारतीय इस्पात उद्योग को स्थानीय कच्चा माल आसानी से मिल सकेगा। कंपनी ने कहा कि इस सुधार से निवेश और उत्पादन बढ़ने, आयात पर निर्भरता घटने तथा देश की खनिज एवं ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होने की उम्मीद है। सेल ने आत्मनिर्भर भारत और 'विकसित भारत' के लक्ष्य के अनुरूप अपने खनिज संसाधनों के जिम्मेदार एवं टिकाऊ विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है।

समाचार संक्षेप

विद्यार्थियों को एड्स के प्रति किया जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,21 अगस्त। जिला चिकित्सा विभाग कबीरधाम द्वारा Intensified IEC Campaign के तहत श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल, कवर्धा में एचआईवी/एड्स एवं यौन जनित संक्रमण को लेकर सघन जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान श्रीमती अभिलाषा गुप्ता एवं श्रीमती कल्पना ठाकुर, काउंसलर, ष्ठ॥ कवर्धा द्वारा विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स एवं यौन जनित संक्रमण के कारण, बचाव के उपाय तथा इससे जुड़ी आवश्यक सावधानियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और सही जानकारी के माध्यम से स्वयं तथा समाज को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला चिकित्सा विभाग की ओर से आयोजित इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों तक स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी पहुंचाना और उन्हें सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। वहीं, श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल, कवर्धा में समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की गई। सही जानकारी अपनाएं, भ्रांतियों से दूर रहें और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.राजीव गांधी की जयंती मनाई गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,21 अगस्त। उतई में नगर कांग्रेस कमेटी उतई के तत्वाधान में आज नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजो को फल वितरण कर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न सूचना क्रांति के जनक राजीव गांधी की जयंती मनाई गई दुर्ग ग्रामीण के जिला अध्यक्ष श्री राकेश ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में इस दौरान नगर कांग्रेस उतई के अध्यक्ष प्रहलाद वर्मा पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डीकेंद्र हिरवानी जिला सचिव बहादुर नेताम , जामवंत गजपाल घनश्याम गजपाल नेता प्रतिपक्ष द्वारिका साहू,पार्षद राकेश साहू, श्रीमती रामशिला नेताम पूर्व पार्षद वीरेंद्र गोस्वामी तोशन साहू सुरता सिंह गढ़े मंडल उपाध्यक्ष भावेश साहू महिला कार्यकर्ता श्रीमती सुनीति साहू हुलसी वर्मा गीतु नारंग स्नेहा डहरिया कांग्रेस पार्टी कर्मठ कार्यकर्ता मुकेश साहू ,टीकम डोनडे शत्रुघ्न गढ़े ,पुरेंद्र चंद्राकर ,धनंजय नेताम रूपेंद्र साहू ,आसिफ भाई ,गुलशन शर्मा, रुस्तम नारंग ,योगेश मंडले ,मनिहार कुर्रे जय सिंह गजानन साहू अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जामुल में अध्यक्ष ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

जामुल। नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने विकास यात्रा में यादव समाज के आराध्य राधा कृष्ण मंदिर के पास सौंदर्यीकरण के लिए 2 लाख रुपये के अध्यक्ष निधि से भूमिपूजन किया। साथ ही वार्ड क्र. 20 में चबुतरा निर्माण के लिए अध्यक्ष निधि से 6.50 लाख रुपये के कार्य का भी भूमिपूजन किया। ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि पालिका क्षेत्र में अनेक विकास कार्य हो रहे हैं जिनमें से यह चबुतरा निर्माण एवं यादव समाज के मांग पर भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर के पास सौंदर्यीकरण होगा। भूमिपूजन के अवसर पर श्यामरतन यादव, टीकाराम यादव, शीतल यादव, भागीरथी यादव, प्रीतम यादव, पुनुलाल यादव एवं यादव समाज के प्रबुद्धजनों के अलावा तुलाराम टंडन, विशेश्वर वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, राजकुमार बर्मन उपस्थित थे।

पुराने हाई प्रेशर कंप्रेसर का इन-हाउस पुनरुद्धार, उत्पादन को मिलेगा बल

भिलाई, 21 अगस्त । भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में पुरानी इकाई के हाई प्रेशर कंप्रेसर का सफलतापूर्वक इन-हाउस मरम्मत एवं पुनरुद्धार किया गया। नव-पुनरुद्धारित कंप्रेसर का लोकार्पण 18 अगस्त 2026 को मुख्य महाप्रबंधक टी. दस्तीदार ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं आरएसएम टीम की उपस्थिति में किया। इस पहल से उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ने के साथ उत्पादन में संभावित व्यवधान को कम करने में मदद मिलेगी। लोकार्पण अवसर पर अरविंद टंडन, अजय वर्मा, सुनील सिंह, विक्रम वर्मा, आलोक श्रीवास्तव, टी. सत्यानारायण, आलोक अग्रवाल, पी. कुर्रे सहित आरएसएम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

एक माह निराहार रहकर विजय संचेती ने पूर्ण किया मासखमन

रायपुर 21 अगस्त। पंचशील नगर निवासी तपस्वी रत्न सु श्रावक विजय संचेती ने नेपाल केसरी, राष्ट्र संत परम पूज्य गुरुदेव श्री मणिभद्र मुनि जी के आशीर्वाद से एक माह का निराहार उपवास आज पूर्ण किया. विदित हो की विगत 32 वर्षो से लगातार मासखमन कर रहे हैं. समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री विनय पटवा ने बताया कि उपरोक्त मासखमन में केवल गरम जल पर एक माह निराहार (उपवास)किया जाता है. श्री पटवा ने आगे बताया कि 33 वे मासखमन का पारणा कुम्हारि स्थित जैन तीर्थ कैवल्य धाम में बस्तर प्रहरि प. पू. श्री राजेश श्री जी म. सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में शनिवार 22- 08- 2026 को प्रातः 11.30 से 12.15 बजे के मध्य संपन्न होगा.

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को कांग्रेसजनों ने किया नमन

डोंगरगढ़ 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रदेश एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर के निर्देश पर ब्लॉक शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी के जयंती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने कहा की पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में भारत में संचार क्रांति के दिशा में अभूतपूर्व कार्य किया। साथ ही पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में ग्रामीण जनों और आम चुनावों में मतदान की न्यूनतम आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष कर युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित किया। इस संगोष्ठी विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल पीसीसी संयुक्त महामंत्री प्रदीप शर्मा ब्लाक अध्यक्ष हरिश भंडारी संध्या देशपांडे अनिल गट्टानी विष्णु लोधी रिम्मी भाटिया शिशुपाल भारती नलिनी मेश्राम बबलू शांडिल्य एडविन हैदर जितेंद्र भाटिया चुमन साहू धन्ना लाल गणवीर रामजी तराने अब्दुल बशीर गणेश प्रसाद ललिता साखरे विरेन्द्र पाल माया सिंगाड़े नरेश करसे ओमप्रकाश महानदी संजय फुले अकिल कुरैशी अमीन उके गणपत रजक दुलीचंद बडोले मयूर हथेल सुरेंद्र अंबादे केशव तांडी निधि गजभिये संजीव गुप्ता पंकज सोनी विनायक वर्मा आनंद बंसोड़ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस का आदतन अपराधियों पर कड़ा प्रहार

बलौदाबाजार 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने एवं शातिर चोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशों के तहत थाना सुहेला पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। सोलर प्लांट में घुसकर चोरी करने वाले एक आदतन एवं शातिर चोर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दिनांक 19/08/2026 को एक अज्ञात व्यक्ति प्लांट की फेंसिंग तार के नीचे से घुसकर सोलर पैनल एवं केबल वायर काटकर चोरी कर भाग रहा है कि सूचना पर ?सिक्योरिटी गार्ड एवं अन्य लोगों की सहायता से आरोपी को पकड़ गया। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम रामप्रसाद मरावी बताया। प्रकरण में प्रार्थी अमित कुमार टण्डन (उम्र 32 वर्ष, निवासी छुईहा की रिपोर्ट पर थाना सुहेला में अपराध क्रमांक 149/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। सुहेला पुलिस द्वारा आरोपी को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई, जिसमें उसने तार कटर से सोलर पैनल एवं केबल काटकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित मशरूका गवाहों के समक्ष जब्त किया गया। एवं वैधानिक कार्यवाही- पकड़ा गया आरोपी रामप्रसाद मरावी एक शातिर एवं आदतन अपराधी है। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी एवं अन्य धाराओं के तहत कुल 03 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी के विरुद्ध अपराध का पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी रामप्रसाद मरावी को दिनांक 19/08/2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों ने लिया विकसित भारत ग्राम का संकल्प

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार-भाटापारा, 21 अगस्त। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में गुरुवार को जनसंवाद 2.0 विकसित भारत ग्राम संकल्प के अंतर्गत विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे ग्रामीणों को विकसित भारत-ज़ी राम जी अधिनियम, 2025 से संबंधित अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

विशेष ग्राम सभा के दौरान मेरा गांवङ्कमेरी प्राथमिकता गतिविधि के माध्यम से ग्रामीणों से गांव में आवश्यक विकास कार्यों के संबंध में उनकी प्राथमिकताएं जानी गईं। इसके लिए जल संरक्षण, फार्म पॉण्ड, वृक्षारोपण, ग्रामीण सड़क, आजीविका आधारित कार्य तथा सामुदायिक परिसंपत्तियों जैसे विषयों पर ग्रामीणों ने अपनी पसंद दर्ज की। प्राप्त मतों के आधार पर सर्वाधिक

प्राथमिकता वाले तीन विकास कार्यों की पहचान कर उन्हें ग्राम सभा में साझा करने की व्यवस्था की गई।

125 दिवस रोजगारङ्कमेरा अधिकार का दिलाया गया संकल्प-ग्राम सभा में ग्रामीणों को रोजगार, पारदर्शिता एवं जनभागीदारी से जुड़े अधिकारों की जानकारी देने के साथ ÷125 दिवस रोजगारङ्कमेरा अधिकार÷ विषय पर सामूहिक शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों ने गांव के विकास कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी करने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

ग्रामीणों के सुझावों से तैयार होगी ग्राम विकास की दिशा- विकसित भारत संदेश कार्ड÷ के माध्यम से प्रत्येक परिवार से गांव में अपेक्षित विकास एवं बदलाव के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए। ग्रामीणों द्वारा दिए गए सुझावों को संकलित कर भविष्य में विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने में उपयोग किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्राम पंचायत की विकास योजना में स्थानीय आवश्यकताओं और ग्रामीणों की अपेक्षाओं को शामिल करना है। विशेष ग्राम सभा में 'जनता पूछेङ्कपंचायत जवाब दे' संवाद सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीणों को रोजगार की मांग की प्रक्रिया, 125 दिवस रोजगार गारंटी, मजदूरी भुगतान व्यवस्था, शिकायत निवारण तथा विकसित ग्राम पंचायत योजना जैसे विषयों पर सवाल पूछने एवं अपनी जिज्ञासाएं रखने का अवसर मिला। पंचायत स्तर के प्रतिनिधियों एवं संबंधित कार्मिकों द्वारा प्रश्नों के उत्तर सरल भाषा में दिए गए तथा महत्वपूर्ण प्रश्नों एवं उत्तरों को ग्राम सभा की कार्यवाही में दर्ज करने की व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर ग्रामीणों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ मेरा गांवङ्कमेरा संकल्प एवं विकसित भारतङ्कहमारा लक्ष्य का सामूहिक संदेश दिया। ग्राम सभा में ग्रामीण विकास और राष्ट्र निर्माण को एक-दूसरे से जोड़ते हुए मेरा गांवङ्कमेरा संकल्प, विकसित भारत की मजबूत नींव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

बाढ़ आपदा से निपटने बालसमुंद जलाशय में किया गया मॉक ड्रिल

■ एसडीआरएफटीम सहित विभिन्न विभागों ने अभ्यास मे लिया हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,21 अगस्त। भारत सरकार राष्ट्रीय अपादा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार बाढ़ आपदा से बचाव प्रशिक्षण हेतु गुरुवार को बालसमुंद जलाशय पलारी में जिला स्तर पर मॉक ड्रिल किया गया। इस मॉक एक्सरसाइज में एसडीआरएफ टीम, मेडिकल टीम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी -कर्मचारियों ने भाग लिया।

पहला अभ्यास भारी बारिश के कारण जलमग्न होने से एक टापू पर फंसे 5 ग्रामीणों की रेस्क्यू एवं दूसरा नदी में डूबते हुए ग्रामीण की रेस्क्यू का किया गया। इस दौरान जिला आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर ए. आर. सहित एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। भारी बारिश में टापू में फंसे होने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन टीम द्वारा रेस्क्यू अभियान के लिए टीमों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिये गए। एसडीआरएफ पुलिस, होमगार्ड, राजस्व, मेडिकल सहित अन्य विभाग की टीम मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की टीम लाइफ जैकेट एवं अन्य साजो-सामान के साथ मोटर बोट में रेस्क्यू के लिए रवाना हुए। टापू में पहुंचकर ग्रामीणों को मोटर बोट में बैठाकर लाया गया।

मॉक ड्रिल में यह भी प्रदर्शित किया गया कि प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के बाद उनकी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति किस प्रकार की जाती है। खाद्य विभाग द्वारा प्रभावित एवं विस्थापित लोगों के लिए भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आपदा के दौरान घायल अथवा प्रभावित व्यक्तियों को फर्स्ट एड देने तथा पानी में डूबने वाले व्यक्ति को बचाने के बाद आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही प्रभावित लोगों को मानसिक रूप से मजबूत रखने और उन्हें आवश्यक सहयोग एवं संबल प्रदान करने के उपाय बताए गए। मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से आपदा एवं राहत कार्यों को किस प्रकार व्यवस्थित, त्वरित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाता है, इसका व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया। रेस्क्यू, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, प्राथमिक उपचार, भोजन एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने से लेकर प्रभावितों को मानसिक संबल प्रदान करने तक की पूरी प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया।

ग्रामीणों को दी गई आपदा से बचाव एवं सूचना की जानकारी

मॉक ड्रिल को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को आपदा की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों तथा प्रशासन तक सूचना पहुंचाने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई।ग्रामीणों को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कंट्रोल रूम अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क कर घटना की सही एवं स्पष्ट जानकारी देना आवश्यक है। जलभराव, बाढ़, किसी व्यक्ति के फंसने या अन्य आपदा की स्थिति निर्मित होने पर समय पर प्रशासन को सूचना देने से बचाव एवं राहत कार्य तेजी से शुरू किए जा सकते हैं। इस दौरान अपर कलेक्टर ए.आर.टंडन सभी एसडीएम,तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

सुध्घर छत्तीसगढ़ अभियान :शिविर के पहले दिन चार सौ से अधिक हितग्राही लाभान्वित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 21 अगस्त। हितग्राहियों तक सुगमता एवं त्वरित रूप से योजनाओं क लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले मे सुध्घर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत गुरुवार को ग्रामीण क्षेत्रों मे शिविर का आयोजन किया गया। सभी पांच विकासखंड़ अंतर्गत 20 ग्राम पंचायतों मे आयोजित शिविर मे लगभग 423 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओ के तहत लाभान्वित किया गया।

शिविर मे पेंशन, शौचालय निर्माण, मृत्यु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मान निधि, जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड सहित अन्य शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन शामिल रहे।शिविर में प्राप्त आवेदनों पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए लगभग 76 प्रतिशत आवेदनों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। शेष आवेदनों को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु संबंधित विभागों को भेजा गया है। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता रही और ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं का समाधान गांव मे ही होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

छात्रावासों में प्रवेशित छात्रों की जानकारी अब पोर्टल पर

बलौदाबाजार, 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों मे निवासरत छात्रावासी छात्र-छात्राओं का पंजीयन विभाग द्वारा संचालित छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल https://hmstribal.cg.nic.in में किया गया है। पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त पोर्टल में प्रवेशित समस्त छात्र छात्राओं की जानकारी को पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित किया जाएगा। पोर्टल के विद्यार्थी उपस्थिति रिपोर्ट मेनू में क्लिक कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। समस्त संस्थ मे प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी एवं हर माह की उपस्थिति पोर्टल में प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही उक्त पोर्टल में शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत लाभान्वित छात्र-छात्राओं की जानकारी फ्रनया क्या हैफ्र टैब में क्लिक कर प्राप्त की जा सकती है।

कांग्रेस ने राजीव गाँधी की जयंती मनाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 21 अगस्त। ब्लाक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती ग्राम लखना में मनाया गया कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान देश के विकास में राजीव गांधी के योगदान और आधुनिक भारत के निर्माण के लिए उनके कार्यों को याद किया। उन्हें भारत रत्न और आधुनिक भारत में कंप्यूटर क्रांति का जनक बताया गया।

ब्लाक कांग्रेस कमेटी तिल्दा नेवरा ग्रामीण अध्यक्ष बलदाऊ साहू ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी का आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र बनाने का सपना देखा था। उन्होंने कंप्यूटर और सूचना तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिसका लाभ आज देश को मिल रहा है।

बलदाऊ साहू ने आगे कहा कि राजीव गांधी की सोच, युवाओं पर उनका विश्वास और आधुनिक भारत निर्माण का विजन हमेशा देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। कांग्रेसजनों ने उनके विचारों और कार्यों को याद करते हुए देशहित में उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस कार्यक्रम में बलदाऊ साहू ब्लॉक अध्यक्ष तिल्दा ग्रामीण, माखन साहू, श्यामा साहू, जीवन मसीह, कृष्ण साहू, आत्मा साहू, संजय साहू, भुवाल साहू, हिरावन साहू, दशरथ साहू, दिनेश साहू, खूबी यादव, लोकनाथ साहू, टीकाराम साहू, संतोष मानिकपुर, मोहन साहू, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे उपस्थित कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के आदर्शों और देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम श्रद्धांजलि और देशसेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

औद्योगिक विस्तार के बीच तिल्दा-नेवरा में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और रोजगार पर उठ रहे सवाल

■ भारी वाहनों की आवाजाही से धूल-धुआं और राखड़ की समस्या बढ़ी, रेक प्वाइंट को शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 21 अगस्त। तिल्दा-नेवरा ब्लॉक के चारों ओर तेजी से बढ़ते उद्योग और औद्योगिक गतिविधियों के बीच अब क्षेत्र के विकास को लेकर कई बुनियादी सवाल सामने आने लगे हैं। क्षेत्र धीरे-धीरे औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित हो रहा है, लेकिन इसके समानांतर स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर नागरिकों की अपेक्षाएं भी बढ़ रही हैं।

क्षेत्र में बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों के साथ सड़कों पर भारी वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ी है। हजारों भारी वाहनों की आवाजाही के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में धूल-धुआं, सीमेंट, कोयला और राखड़ से लोगों को परेशानी होने की बात सामने आ रही है। सड़क किनारे रहने वाले नागरिकों और व्यापारियों के लिए यह समस्या विशेष चिंता का विषय बनती जा रही है।

रेक प्वाइंट को शहर से बाहर करने की उठ रही मांग: तिल्दा-नेवरा का रेक प्वाइंट भी अब शहर की यातायात व्यवस्था और प्रदूषण के संदर्भ में चर्चा का विषय बना हुआ है। नागरिकों का एक वर्ग रेक प्वाइंट को नगर की आबादी से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग कर रहा है, ताकि भारी वाहनों का दबाव कम हो और शहरवासियों को राहत मिल सके।

अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत

औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विस्तार के साथ आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत करने की जरूरत महसूस की जा रही है। नागरिकों की मांग है कि तिल्दा-नेवरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ऐसा अस्पताल हो, जहां आपात स्थिति में तत्काल उपचार मिल सके और गंभीर मरीजों को दूसरे शहरों में ले जाने की मजबूरी कम हो।

इसके अलावा शुद्ध पेयजल, बेहतर सड़कें, सड़कों की पर्याप्त चौड़ाई, यातायात व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर भी ठोस कार्य की मांग उठ रही है।

उद्योगों के साथ स्थानीय विकास भी जरूरी: नागरिकों का कहना है कि औद्योगिक गतिविधियों से क्षेत्र को रोजगार और आर्थिक विकास का लाभ मिलना चाहिए, लेकिन इसके साथ स्थानीय बुनियादी सुविधाओं का विस्तार भी उतना ही जरूरी है। स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित एवं चौड़ी सड़कें उपलब्ध कराने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम होना चाहिए।अब तिल्दा-नेवरा के सामने चुनौती यह है कि बढ़ते औद्योगिक विस्तार के साथ शहर को स्वच्छ, सुरक्षित, प्रदूषण मुक्त और आधुनिक सुविधाओं से युक्त नगर कैसे बनाया जाए। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और औद्योगिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है।

वृद्ध की हत्या का 24 घंटे में खुलासा

बलौदाबाजार 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं जघन्य वारदातों के त्वरित निराकरण हेतु पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के मार्गदर्शन में थाना सिटी कोतवाली एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने तत्परता एवं उत्कृष्ट तकनीकी समन्वय का परिचय देते हुए अंधी हत्या के संवेदनशील मामले को सुलझा लिया है। दिनांक 18/08/2026 की शाम पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मुडियाडीह-खैंदा मेनरोड पर 65 वर्षीय वृद्ध केजराम ध्रुव (पिता ढेल सिंह ध्रुव, निवासी ग्राम मुडियाडीह) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना सिटी कोतवाली पुलिस बल एवं फॉरेंसिक (स्नस्रु) टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल तथा शव का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। ?प्रारंभिक जांच में परिजनों ने बताया कि मृतक शाम लगभग 05 :00 बजे अपने घर से ग्राम खैंदा दूध देने के लिए निकले थे। प्रथम दृष्टया वृद्ध के शरीर पर धारदार हथियार से गहरे चोट के निशान पाए गए। मृतक के पुत्र लकेश्वर ध्रुव की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में मर्ग कायम कर अपराध क्रमांक 697/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंधी हत्या की गुत्थी सुलझाने हेतु थाना सिटी कोतवाली एवं साइबर सेल की संयुक्त विशेष टीम का गठन किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने किया नमन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 21 अगस्त।भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की जयंती के अवसर पर सिहावा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दुगली में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ जयंती समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिहावा विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम सहित कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर विधायक अंबिका मरकाम ने राजीव गांधी जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि राजीव गांधी जी आधुनिक भारत के निर्माण के दूरदर्शी नेताओं में से एक थे। उन्होंने देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए विज्ञान, तकनीक, संचार और शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलावों की नींव रखी।

विधायक श्रीमती मरकाम ने कहा कि राजीव गांधी जी का मानना था कि भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने और सत्ता के विकेंद्रीकरण की दिशा में उनके प्रयासों ने ग्रामीण लोकतंत्र को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने 18 वर्ष की आयु में युवाओं को मतदान का अधिकार दिलाने की पहल के माध्यम से देश के युवाओं को लोकतंत्र में अधिक सक्रिय भागीदारी का अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी जी के कार्यकाल में दूरसंचार एवं कंप्यूटर क्रांति को बढ़ावा मिला, जिससे भारत में आधुनिक संचार व्यवस्था और सूचना प्रौद्योगिकी के विकास का आधार मजबूत हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में जवाहर नवोदय विद्यालयों जैसी पहल के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर अवसर देने का प्रयास किया गया। राजीव गांधी जी का सपना था कि गांव का गरीब, किसान, युवा और प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी आधुनिक भारत के विकास में बराबरी की भागीदारी निभाए।

विधायक अंबिका मरकाम ने कहा कि राजीव गांधी जी की सोच केवल सत्ता तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे भारत को तकनीकी रूप से सक्षम, शिक्षित, आधुनिक और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे। आज देश में सूचना तकनीक, डिजिटल संचार और आधुनिक तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में जो विस्तार दिखाई देता है, उसमें राजीव गांधी जी द्वारा रखी गई आधारभूत सोच का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी जी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी जयंती केवल उन्हें याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके सपनों के भारत के निर्माण का संकल्प लेने का दिन है। विधायक ने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं युवाओं से आह्वान किया कि वे राजीव गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं और समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयंती समारोह के दौरान विधायक अंबिका मरकाम ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है। राजीव गांधी जी की जयंती पर पौधरोपण कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पर्यावरण का संकल्प ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनवर रजा, सचिन भंसाली, शिवकुमार परिहार, अनूप वट्टी, सरपंच ईश्वर मंडावी, जावेद मेमन, रमाकांत तिवारी, अनवर सिद्दीकी, अयूब खान, मयंक ध्रुव, राकेश नेताम, तामेश्वरी साहू, रेणुका शर्मा, मिक्की गुप्ता, जयंती साहू, अनुसुईया साहू, कीर्ति मरकाम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन राजीव गांधी जी के आदर्शों एवं विचारों को आत्मसात करते हुए लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, युवा शक्ति, शिक्षा, तकनीकी विकास एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

अपराध किया है तो सजा जरूर मिलनी चाहिए

लोकतंत्र में लोगों को कई तरह के अधिकार मिले हुए हैं,लोगों को मिले हुए अधिकार का उपयोग करने का हक है,अधिकार का जब सदुपयोग होता है तो उसका सब स्वागत करते हैं कि लोगों ने अपने अधिकार का उपयोग किया। अधिकार के सदुपयोग को कोई अपराध नहीं कहता है लेकिन जब अधिकार का दुरुपयोग होता है तो वह अपराध होता है। लोकतंत्र में हर तरह के अपराध को रोकने के लिए कानून है और पुलिस है।पुलिस का काम कानून व्यवस्था बनाए रखना और हर तरह के अपराध को रोकना है।देश के लोग पुलिस से यह अपेक्षा करते हैं कि उसका जो काम है वह अच्छी तरह से करे।जब भी वह अपना काम करती है तो कानून को न मानने वाले लोग,कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाले लोग यही आरोप लगाते हैं कि पुलिस ने अपना काम अच्छे से नहीं किया। हम लोगों के साथ ज्यादती की है। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है तो ज्यादातर लोग तो पुलिस के खिलाफ ही शिकायत लेकर पहुंचते है और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं।जंतर मंतर आंदोलन के दौरान संसद मार्च के दौरान पुलिस पर आरोप लगाया है कि उसने प्रदर्शनकारियों के साथ ज्यादती की है यानी उसने अति बल प्रयोग किया है,जितना बल उसे प्रयोग करना था, उससे ज्यादा बल प्रयोग किया है, इससे प्रदर्शनकारियों को चोट लगी है,वह घायल हुए हैं।अदालत को न्याय करना है,एक व्यवस्था देना है ताकि भविष्य इस तरह की घटना न हो इसलिए अदालत जब तक सभी पक्षों की सुन नहीं लेती तब तक कोई फैसला नहीं दे सकती। सभी पक्ष के पीड़ित पक्ष के लोगों की शिकायत सुनने के लिए कोर्ट ने एक उच्चस्तरीय समिति गठन करने का फैसला किया है।यह समिति पुलिस ज्यादती की जांच करेगी, साथ ही यह समिति और भी कई बातों की जांच करेगी,जैसे पुलिस पर किए हमले की जांच करेगी,प्रदर्शन में शामिल अपराधियों के मामले की जांच करेगी।समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद यह तय किया जाएगा जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है,उनमें किन लोगों का एफआईआर वापस हो सकता है।कुछ लोगों ने आपत्ति की है इसलिए फेशियल रिकग्निशन टेक्नालांजी,सर्विलांस प्राइवेसी और आर्टिकल २१ से जुड़े संवैधानिक सवालों पर फैसला करेगा। छात्रों का आंदोलन हो या किसी भी वर्ग के लोगों का आंदोलन हो,आंदोलन की अनुमति देते वक्त वह लिखित में देते हैं कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण होगा, कुछ गड़बड़ होती है तो उसके लिए वह जिम्मेदार होंगे तो कोर्ट को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और आंदोलन शांतिपूर्ण न होने पर आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उसकी सजा भी आयोजकों को मिलनी चाहिए।वह शांतिपूर्ण आंदोलन की जिम्मेदारी लेते हैं तो शांतिपूर्ण आंदोलन उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। वह यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते कि असामाजिक तत्व आंदोलन में शामिल हो गए और जो अपराध हुआ है,उसके लिए वह आयोजक जिम्मेदार नहीं है। यह तो पुलिस का काम था कि वह असामाजिक तत्वों को पकड़ती।पुलिस फेशियल रिकग्निशन टेक्नालाजी,सर्विलांस तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसा करती है तो वकील लोग कोर्ट में कहते हैं कि पुलिस को यह करने का अधिकार नहीं है,ऐसे में पुलिस कैसे पता कर सकती है कि आंदोलन में असामाजिक तत्व शामिल थे,पुलिस ने इस तकनीक के जरिए है तो पता लगाया है कि २० जुलाई के प्रदर्शन में ऐसे २८०० लोग शामिल थे।सुप्रीम कोर्ट के सामने पुलिस का पक्ष भी आया है तो इससे पता चलता है कि पुलिस पर जो आरोप लगाया गया है वह आदतन लगाया गया है क्योंकि पुलिस को तो हमेशा कार्रवाई करने पर और कार्रवाई न करने पर दोनों तरफ से आरोंपो का सामना करना पड़ता है। हकीकत यह है कि पुलिस के लिए जो नियम बने हुए हैं कि किस स्थिति में क्या करना है, वह स्थिति के अनुसार वही करती है।प्रदर्शनकारियों को आंदोलन की अनुमति थी,उनको आंदोलन करने से तो पुलिस ने नहीं रोका,संसद मार्च बगैर अनुमति के किया गया था।वह गैरकानूनी था और पुलिस काम था वह कुछ भी गैरकानूनी न होने दे और पुलिस ने जो कुछ भी किया वह स्थिति के मुताबिक किया।पुलिस ने कोर्ट को बताया है कि स्थिति क्या थी।३० हजार लोग तीन किमी के दायरे में फैले हुए थे।उन्हें नियंत्रित करने के लिए मौके पर पांच हजार पुलिस कर्मी ही थे,भीड़ के नियंत्रण के बाहर होने पर ही संघर्ष हुआ और इस दौरान २४० पुलिस वाले व २०० आम लोग घायल हुए हैं।पुलिस ने ज्यादती की होती तो सिर्फ आमलोग ही घायल हुए होते,पुलिस वाले ज्यादा घायल हुए हैं इससे साफ है कि ज्यादती तो पुलिस वालों के साथ भी हुई जबकि वह संसद,आम लोगों,सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए वहां थी। उसने जो किया सुरक्षा के लिए किया।इसके लिए पुलिस वालों की सराहना होनी चाहिए तो आलोचना हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने आंदोलन के बाद जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर हुई है, उसकी सूची मांगी है ताकि जाना जा सके कि किन लोगों की एफआईआर वापस हो सकती है।सुप्रीम कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद १४२ के तहत विशेष शक्ति प्राप्त है कि वह चाहे तो किसी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ले सकता है।सुप्रीम कोर्ट ऐसा करता है तो लगना चाहिए कि उसने अपने अधिकार का सदुपयोग किया है,ऐसा नहीं लगना चाहिए कि अपराध करने वालों के एफआईआर वापस लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उनको फिर से अपराध करने का मौका दे दिया है।किसी ने भी अपराध किया है तो किए गए अपराध के मुताबिक उसे सजा तो मिलनी ही चाहिए।संसद मार्च करके अपराध किया है,पुलिस पर हमला करके अपराध किया है तो ऐसा करने वालों को सजा जरूर मिलनी चाहिए।संसद मार्च मामले में अभी फैसला आना है,उसके बाद साफ होगा जनता को पता चलेगा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो किया वह कितना सही और कितना गलत था।सुप्रीम कोर्ट खुद ही कहता है कि न्याय होना ही नहीं चाहिए न्याय होते हुए भी दिखना चाहिए तो लोग इंतजार कर रहे हैं कि कैसा न्याय होता है।

विश्लेषण

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं।

लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी।

धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा—धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं।

हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों।

इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है। सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यहाँ संविधान की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग धर्म, संप्रदाय, भाषाएँ और परंपराएँ साथ-साथ रहती हैं। हमारा सामाजिक जीवन किसी एक धार्मिक ग्रंथ के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्था का अधिकार है, लेकिन साथ ही दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का सम्मान करना भी आवश्यक है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और आलोचनात्मक चिंतन के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। किसी को अपनी आस्था रखने से रोका नहीं जाना चाहिए और किसी को अपनी आस्था के नाम पर दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती।

एक और चुनौती है—धार्मिक ग्रंथों की मनमानी व्याख्या। कई बार मूल पुस्तक से अधिक प्रभाव उसकी व्याख्या करने वालों का होता है। एक ही कथन की अलग-अलग विद्वान अलग व्याख्या करते हैं। कोई उसे प्रतीकात्मक मानता है, कोई ऐतिहासिक, कोई आध्यात्मिक और कोई शाब्दिक। ऐसे में यह कहना कि केवल एक व्याख्या ही अंतिम सत्य है, बौद्धिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता।

समाज में धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य भी केवल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति क्या माने, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह क्यों माने। यदि बच्चे प्रश्न पूछेंगे तो उनकी आस्था समाप्त नहीं होगी; बल्कि संभव है कि उनकी समझ अधिक गहरी हो जाए। जिस विश्वास को प्रश्नों से डर लगता है, वह विश्वास कमजोर हो सकता है; लेकिन जो विश्वास प्रश्नों का सामना कर सकता है, वह अधिक परिपक्व और मजबूत बनता है। आज डिजिटल युग में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया पर धार्मिक पुस्तकों के नाम पर आधे-अधूरे उद्धरण, गलत अनुवाद और संदर्भ से काटे गए कथन तेजी से फैलते हैं। लोग कई बार मूल ग्रंथ देखे बिना ही किसी वायरल पोस्ट को सत्य मान लेते हैं। इससे धार्मिक विवाद पैदा होते हैं और सामाजिक तनाव बढ़ता है। इसलिए किसी कथन पर आपत्ति करने से पहले यह देखना आवश्यक है कि वह वास्तव में मूल ग्रंथ में है भी या नहीं, उसका सही अनुवाद क्या है और उसके आगे-पीछे का संदर्भ क्या है।

आलोचना करने वाले व्यक्ति की भी जिम्मेदारी है। यदि वह किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन पर सवाल उठा रहा है तो उसे प्रमाण, संदर्भ और तर्क के साथ बात रखनी चाहिए। जानबूझकर गलत उद्धरण देना, किसी धर्म के अनुयायियों को अपमानित करना या धार्मिक भावनाओं को भड़काना आलोचनात्मक चिंतन नहीं है। वह केवल विवाद पैदा करना है।

इसी प्रकार धार्मिक विद्वानों की भी जिम्मेदारी है कि वे आलोचना को शत्रुता न समझें। समाज बदलता है, भाषा बदलती है और प्रश्न भी बदलते हैं। यदि कोई पुरानी व्याख्या आज के संदर्भ में समस्या पैदा करती है तो उस पर पुनर्विचार करना धर्म की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का संकेत हो सकता है।

धार्मिक परंपराओं में स्वयं आत्ममंथन की लंबी परंपरा रही है। संतों, दार्शनिकों और सुधारकों ने समय-समय पर रूढ़ियों पर प्रश्न उठाए। उन्होंने समाज को यह समझाने का प्रयास किया कि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को जोड़ना, नैतिक बनाना और उसके भीतर करुणा पैदा करना है, न कि मनुष्य को मनुष्य से अलग करना। इस संदर्भ में हमें एक व्यापक सिद्धांत अपनाना चाहिए—जो बात मानवता, करुणा, सत्य, न्याय और समानता को मजबूत करती है, उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं होना चाहिए; और जो बात इन मूल्यों के विपरीत दिखाई दे, उस पर प्रश्न उठाने से डरना भी नहीं चाहिए। यह दृष्टिकोण किसी एक धर्म तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि हम किसी एक धार्मिक परंपरा की पुस्तकों में लिखी बातों पर सवाल उठाने को स्वतंत्रता मानते हैं, तो यही स्वतंत्रता दूसरी धार्मिक परंपराओं के मामले में भी लागू होनी चाहिए। चयनात्मक आलोचना निष्पक्षता नहीं है। वास्तविक बौद्धिक स्वतंत्रता का अर्थ है कि सभी विचारों को समान तर्क की कसौटी पर परखा जाए। यह भी समझना होगा कि धार्मिक पुस्तकें केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं हैं। वे करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ी हैं। इसलिए उनके बारे में बात करते समय भाषा में संयम आवश्यक है। कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं, लेकिन अपमानजनक शब्दों के बिना। किसी विचार से असहमति जताई जा सकती है, लेकिन उसके अनुयायी को नीचा दिखाए बिना। यही सभ्य संवाद की पहचान है।

आज भारत को ऐसे संवाद की विशेष आवश्यकता है। एक ओर धार्मिक आस्था समाज के बड़े हिस्से के जीवन का आधार है और दूसरी ओर वैज्ञानिक सोच, संवैधानिक मूल्यों और आधुनिक शिक्षा का विस्तार हो रहा है। इन दोनों को टकराव की स्थिति में खड़ा करने के बजाय संवाद का पुल बनाना होगा। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में भी धार्मिक साहित्य का अध्ययन यदि किया जाए तो उसे केवल आस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि इतिहास, समाजशास्त्र, दर्शन, साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन के रूप में समझाया जा सकता है। इससे विद्यार्थी विभिन्न परंपराओं को समझेंगे और उनमें सहिष्णुता तथा विवेक दोनों विकसित होंगे। धार्मिक विविधता को समझना किसी धर्म को स्वीकार करना नहीं है; यह समाज को समझने का माध्यम है।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि धार्मिक पुस्तकों में सब कुछ सही है या सब कुछ गलत। ऐसी सामान्यीकृत धारणा दोनों ही अतियों में ले जाती है। वास्तविक आवश्यकता यह है कि हम हर कथन को उसके संदर्भ, उद्देश्य, भाषा और सामाजिक प्रभाव के साथ समझें। जो बातें कालातीत नैतिक मूल्यों को मजबूत करती हैं, उनसे प्रेरणा लें; जो बातें प्रतीकात्मक हैं, उन्हें प्रतीक के रूप में समझें; और जो व्याख्याएँ आधुनिक मानव गरिमा से टकराती हैं, उन पर तार्किक एवं शांतिपूर्ण बहस करें। आस्था को सम्मान देना चाहिए, लेकिन आस्था के नाम पर विवेक को बंद नहीं किया जा सकता। प्रश्न पूछना अपमान नहीं है। असहमति विद्रोह नहीं है। आलोचना शत्रुता नहीं है। और किसी विचार पर पुनर्विचार करना अपनी संस्कृति से विश्वासघात नहीं है। धर्म यदि मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाता है तो उसे प्रश्नों से डरने की आवश्यकता नहीं। सच्ची आस्था तर्कपूर्ण संवाद से कमजोर नहीं, बल्कि अधिक परिपक्व होती है। इसलिए आज आवश्यकता किसी धर्म को कटघरे में खड़ा करने की नहीं, बल्कि हर विचार को विवेक, मानवता, संविधान और सत्य की कसौटी पर परखने की है। आखिरकार पुस्तकें मनुष्य के लिए हैं, मनुष्य पुस्तक के लिए नहीं। शब्दों का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना है। यदि किसी शब्द की व्याख्या मनुष्य के बीच नफरत, भेदभाव या अन्याय पैदा कर रही है, तो उस व्याख्या पर प्रश्न उठाना समाज का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। आस्था रहे, श्रद्धा रहे, पर विवेक भी जीवित रहे—क्योंकि प्रश्नों से भागने वाला समाज परंपरा तो बचा सकता है, लेकिन प्रगति नहीं।

समस्या

संवेदना और स्पंदनविहीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

संजीव ठाकुर

अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध कथन है कि कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है। आज एआई ज्ञान और सूचना उपलब्ध कराने में हमारी सहायता कर सकती है, लेकिन कल्पना की अग्नि मनुष्य के भीतर ही प्रज्वलित होनी चाहिये,साहित्यकार की जिम्मेदारी आज के लेखक और कवि के सामने सबसे बड़ी चुनौती तकनीक नहीं, अपनी मौलिकता बचाए रखना है।

हमें एआई से डरने की नहीं, उसके उपयोग की मर्यादा और सीमा तय करने की आवश्यकता है। मशीन को सहयोगी बनाइए, रचनाकार नहीं। उससे तथ्य पूछिए, लेकिन भाव स्वयं खोजिए। भाषा सुधारिए, लेकिन अनुभव अपना रखिए। जानकारी लीजिए, लेकिन दृष्टि अपनी बनाइए। क्योंकि आने वाले समय में शायद सबसे दुर्लभ चीज शब्द नहीं होगी मौलिक अनुभूति होगी। हमें ऐसी पीढ़ी तैयार करनी होगी जो कविता केवल लिखे नहीं, कविता को जिए कहानी केवल बनाए नहीं, जीवन की कहानियों को सुने,साहित्य केवल प्रकाशित न करे, साहित्य के माध्यम से मनुष्य को समझे। जब रचना से अधिक महत्वपूर्ण होने लगे तुरंत तैयार साहित्य साहित्य केवल शब्दों का सुंदर संयोजन नहीं है। वह मनुष्य के भीतर घटने वाली अनुभूतियों, संघर्षों, स्मृतियों, संवेदनाओं और जीवनानुभवों का रचनात्मक प्रतिफल है। एक कविता जन्म लेने से पहले कवि के भीतर न जाने कितने दिनों तक पलती है। कोई कहानी कागज पर उतरने से पहले लेखक के मन में अनेक बार घटित होती है। किसी रचना के पीछे वर्षों का अध्ययन, अनुभव, चिंतन, पीड़ा, प्रतीक्षा और शब्दों के साथ किया गया संघर्ष होता है। इसलिए साहित्य की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों में ही नहीं, उन शब्दों के पीछे धड़कते हुए मनुष्य के हृदय में होती है।

आज इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ज्ञान और सूचना की दुनिया को अभूतपूर्व गति दी है। यह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धि है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कठिन कामों को सरल बना सकती है, भाषा को व्यवस्थित कर सकती है, अनुवाद में सहायता कर सकती है, शोध के रास्ते खोल सकती है और रचनाकार को अनेक स्तरों पर सहयोग दे सकती है। किंतु चिंता तब उत्पन्न होती है, जब तकनीक सृजन की सहायक होने के बजाय सृजन का विकल्प बनने लगती है।

आज कोई व्यक्ति जिसने साहित्य पढ़ा नहीं, कविता की बुनियादी समझ विकसित नहीं की, जीवन को साहित्यिक दृष्टि से देखने का अभ्यास नहीं किया और शब्दों के साथ वर्षों का रिश्ता नहीं बनाया, वह कुछ क्षणों में इंटरनेट या एआई की सहायता से कविता, कहानी, गजल अथवा आलेख तैयार कर सकता है। रचना सामने आ जाती है, शब्द सुंदर दिखाई देते हैं, वाक्य आकर्षक होते हैं और भाव भी दिखाई देते हैं लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उनमें लेखक का अपना जीवन धड़कता है?

यहीं से साहित्यिक संवेदना का मूल प्रश्न पैदा होता है। साहित्य शब्दों का नहीं, अनुभूति का संसार है महादेवी वर्मा ने साहित्य को मनुष्य की संवेदना से जोड़ते हुए रचना को केवल मनोरंजन का साधन नहीं माना। प्रेमचंद का साहित्य भी इसी का प्रमाण है कि साहित्य समाज के जीवन-संघर्षों से अलग होकर जीवित नहीं रह सकता। कबीर ने जो कहा, वह पढ़कर नहीं, जीकर कहा। तुलसीदास ने लोकजीवन को जिस गहराई से देखा, वह केवल शब्द-कौशल का परिणाम नहीं था।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का प्रसिद्ध विचार है साहित्य का उद्देश्य मनुष्य के हृदय को व्यापक बनाना है। इस व्यापकता का निर्माण किसी मशीन की गति से नहीं, मनुष्य के अनुभव से होता है।एक किसान की सूखी हथेली पर लिखी कविता और इंटरनेट से तैयार की गई किसान पर कविता में शब्द समान रूप से सुंदर हो सकते हैं, लेकिन दोनों के पीछे की अनुभूति समान नहीं हो सकती। जिसने खेत में फसल सूखते देखी है, जिसने किसान की आँख में वर्षा की प्रतीक्षा देखी है, जिसने कर्ज के बोझ में दबे परिवार की चिंता महसूस की है उसकी कविता में मिट्टी की गंध स्वतः आ सकती है। केवल सूचना के आधार पर लिखी गई कविता में उस मिट्टी का वर्णन तो हो सकता है, मगर उसकी धड़कन शायद नहीं।

एआई साहित्य का विरोध नहीं, साहित्य की आत्मा की चिंता–समस्या तकनीक में नहीं, उसके उपयोग के तरीके में है। एक लेखक एआई से किसी विषय पर जानकारी ले सकता है, कठिन शब्द का अर्थ पूछ सकता है,व्याकरण की त्रुटि सुधार सकता है, विभिन्न संदर्भों को समझ सकता है। यह सहयोग साहित्यकार की रचनात्मकता को समाप्त नहीं करता। बल्कि समय बचाकर उसे अधिक गंभीर चिंतन के लिए अवसर दे सकता है। लेकिन यदि कोई व्यक्ति अपनी कल्पना, अनुभूति और श्रम के स्थान पर मशीन से पूरी कविता लिखवाकर उसे अपनी मौलिक रचना के रूप में प्रस्तुत करता है, तब प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, साहित्यिक ईमानदारी का हो जाता है। कविता तैयार हो सकती है, लेकिन कवि तैयार नहीं होता। कहानी लिखी जा सकती है, लेकिन कथाकार के भीतर वह जीवन के अनुभव पैदा नहीं किये जा सकते जिसने कहानी को जन्म दिया। शब्द मिल सकते हैं, लेकिन शब्दों के पीछे का जीवन उधार नहीं लिया जा सकता। इंटरनेट ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। हम कुछ सेकंड में हजारों कविताएँ, कहानियाँ, लेख और पुस्तकें खोज सकते हैं। लेकिन इस सुविधा का एक दूसरा पक्ष भी है। पढ़ने की जगह देखने, समझने की जगह स्क्रॉल करने और चिंतन की जगह तत्काल प्रतिक्रिया देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कविता को पढ़ना भी एक प्रकार का ठहरना है। कहानी के पात्रों के साथ चलना पड़ता है। उपन्यास के संसार में प्रवेश करने के लिए समय देना पड़ता है। कबीर को पढ़ते समय शब्दों के पीछे छिपे जीवन-दर्शन को समझना पड़ता है। निराला की कविता को केवल पढ़ना पर्याप्त नहीं, उसे महसूस करना पड़ता है। आज की तेज डिजिटल दुनिया में यह ठहराव कम हो रहा है। हम हर चीज का रेडीमेड संस्करण चाहते हैं रेडीमेड जानकारी, रेडीमेड विचार, रेडीमेड भाषण और अब रेडीमेड कविता भी।

लेकिन साहित्य रेडीमेड वस्तु नहीं है।– कारखाने में वस्तु बनती है, साहित्य में अनुभूति, साहित्य में उसकी आत्मा। एक सच्ची कविता को जन्म देने में कवि को कभी-कभी वर्षों का जीवन लग जाता है। हरिशंकर परसाई की व्यंग्य-दृष्टि केवल शब्दों का खेल नहीं थी। उसके पीछे समाज की विसंगतियों को देखने वाली तीक्ष्ण दृष्टि थी। मुक्तिबोध की कविता केवल कठिन शब्दों का संयोजन नहीं उसके पीछे एक बेचैन आत्मा थी। प्रेमचंद की कहानियों के पीछे भारतीय समाज का गहरा अनुभव था। साहित्य का मूल्य उसकी उत्पादन-क्षमता से नहीं, उसकी अनुभूति की प्रामाणिकता से तय होता है।

महापुरुषों से सीखने की आवश्यकता– महात्मा गांधी ने कहा था आप वह परिवर्तन स्वयं बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। साहित्य के संदर्भ में इसका अर्थ यह भी है कि यदि हम संवेदनशील समाज चाहते हैं तो हमें स्वयं संवेदनशील पाठक और रचनाकार बनना होगा।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम युवाओं में कल्पना और सृजनशीलता को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते थे। कल्पना मनुष्य की मौलिक शक्ति है। यदि हर कल्पना के स्थान पर मशीन से तैयार उत्तर ले लिया जाए तो धीरे-धीरे मनुष्य स्वयं कल्पना करने की क्षमता का अभ्यास खो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मनुष्य की बुद्धि की अद्‌भुत उपलब्धि है, लेकिन साहित्य मनुष्य के हृदय की उपलब्धि है। मशीन भाषा को व्यवस्थित कर सकती है, लेकिन किसी मां की आँख में उतरती हुई प्रतीक्षा को पूरी तरह जी नहीं सकती। वह बारिश पर हजारों सुंदर पंक्तियाँ लिख सकती है, लेकिन बरसात में छप्पर टपकने की चिंता को उसी तरह महसूस नहीं कर सकती, जैसे एक गरीब परिवार महसूस करता है। इसलिए साहित्य को तकनीक से नहीं, तकनीक के अंधे और निर्भर उपयोग से बचाना होगा। इंटरनेट हमारे लिए पुस्तकालय बने, एआई हमारा सहायक बने, लेकिन हमारी कल्पना, हमारी संवेदना, हमारी स्मृतियाँ और हमारी रचनात्मक बेचैनी किसी मशीन के हवाले न हों।

क्योंकि साहित्य तब तक जीवित है, जब तक शब्दों के भीतर मनुष्य की धड़कन जीवित है। जिस दिन कविता केवल सुंदर शब्दों का उत्पादन बन जाएगी, उस दिन कविता तो हमारे पास होगी लेकिन कवि शायद हमारे बीच नहीं होगा।

सू- दोकू क्र.136

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.135 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -136

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक135 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			ट्टू
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

एक नजर

दिव्यांग व्यक्तियों से विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

बीजापुर 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दिव्यांग व्यक्ति समान अवसर अधिकारों का संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी अधिनियम, 1995 के प्रावधानों में समान अवसर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये 1 अप्रैल 2005 से निःशक्त व्यक्तियों के लिये विवाह प्रोत्साहन योजना का प्रारंभ की गई है। जिसमें निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना में प्रोत्साहन राशि युवक/युवती में से किसी एक व्यक्ति के दिव्यांग होने पर 50 हजार रूपये तथा युवक एवं युवती दोनो के दिव्यांग होने की दशा में 1 लाख रूपये एकमुश्त राशि प्रदाय की जावेगी। योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को आवेदन निर्धारित प्रारूप के साथ कार्यालय समाज कल्याण विभाग जिला बीजापुर में संपर्क कर सकते हैं।

इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

जगदलपुर, 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी/शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, जगदलपुर में साइबर अपराधों से बचाव एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री बद्री नारायण मीणा रहे। कार्यक्रम में बस्तर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक श्री सुमित कुमार धोत्रे, महाविद्यालय के प्राचार्य श्री जैनेंद्र जैन, साइबर रेंज थाना प्रभारी निरीक्षक श्री गौरव तिवारी तथा कोतवाली थाना प्रभारी श्री लीलाधर राठौर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल फ्रॉड, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध एवं साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बदलते तरीकों से अवगत कराते हुए उनसे सतर्क रहने, अपनी व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी को सुरक्षित रखने तथा किसी भी अनजान लिंक, कॉल, मैसेज या ऑनलाइन ऑफर पर बिना सत्यापन के भरोसा न करने की अपील की अधिकारियों ने विशेष रूप से बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने की स्थिति में समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसी घटना होने पर पीड़ित को तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए तथा साइबर अपराध की सूचना संबंधित साइबर क्राइम पोर्टल/पुलिस को भी देनी चाहिए। समय पर शिकायत करने से ठगी की गई राशि को रोकने अथवा उसके लेन-देन पर तत्काल कार्रवाई की संभावना बढ़ जाती है।

'वंदे मातरम् के पूर्ण गान पर कांग्रेस का निर्णय देश की भावना का अपमान : सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर, 21 अगस्त। कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गान के स्थान पर केवल दो अंतरे गाने के निर्णय पर बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह निर्णय न केवल देश की भावनाओं का अपमान है,बल्कि राष्ट्रगीत के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक भावना की भी अवहेलना है। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि वर्ष 1937 में तुष्टीकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस ने 'वंदे मातरम्' के पूर्ण स्वरूप को लेकर विभाजनकारी दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी प्रकार की तुष्टीकरण की राजनीति ने देश के सामाजिक और राजनीतिक विभाजन को बढ़ावा दिया, जिसका परिणाम अंततः देश के विभाजन के रूप में सामने आया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इस ऐतिहासिक विषय को उचित सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऐसे समय में कांग्रेस द्वारा पुनः केवल दो अंतरे गाने का निर्णय उसकी पुरानी तुष्टीकरण की राजनीति की ओर लौटने का संकेत है। श्री कश्यप ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की ऐतिहासिक अभिव्यक्ति है। इसके सम्मान को किसी राजनीतिक स्वार्थ या वोट बैंक की राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर पूर्ण 'वंदे मातरम्' के गायन से उसे आपत्ति क्यों है। देश की जनता सब देख रही है और तुष्टीकरण की राजनीति का उचित जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

ग्रामीणों ने पेनकोडो की बदहाल सड़क मरम्मत की मांग की

कांकेर, 21 अगस्त। जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड अंतर्गत पेनकोडो ग्राम पंचायत को पी.वी.-75 मार्ग से जोड़ने वाली सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने और मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश में स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जिससे दुर्घटना की आशंका है। सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर पेनकोडो के सरपंच सूरज कड़ियां के नेतृत्व में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने सड़क की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए शासन-प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। ग्राम पंचायत पेनकोडो के सरपंच सूरज कड़ियां ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पी.वी.-75 मार्ग से पेनकोडो को जोड़ने वाली क्षतिग्रस्त सड़क का जल्द निरीक्षण कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाए और सड़क की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क का सुधार होने से ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी और मरीजों, स्कूली बच्चों, किसानों तथा अन्य ग्रामीणों को काफी सुविधा होगी।

इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में वन्यजीव शिकार मामले में 6 लोग किए गए गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 21 अगस्त। इन्द्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर में वन्यजीव संरक्षण और अवैध शिकार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने ग्राम नीतिकाकलेर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए वन्यजीव शिकार के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीवन) एवं क्षेत्रीय निदेशक, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व, जगदलपुर तथा उप निदेशक, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर के मार्गदर्शन में की गई। वन विभाग के अनुसार परिक्षेत्र पासेवाड़ा अंतर्गत नीतिकाकलेर क्षेत्र में

वन्यजीव शिकार की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की पुष्टि के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई की। इस दौरान 6 आरोपियों को पकड़ा गया।

कार्रवाई के दौरान टीम ने वन्यप्राणी का मांस, जो प्रथम दृष्टया संभावित रूप से नीलगाय का बताया जा रहा है, तथा शिकार में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की है। मामले में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई। वन विभाग की टीम द्वारा 19 अगस्त को कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

वन विभाग ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वन क्षेत्र में वन अपराध, अवैध शिकार अथवा वन्यजीवों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल निकटतम वन विभाग कार्यालय या संबंधित अधिकारियों को दें। विभाग ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय की सहभागिता भी इसमें महत्वपूर्ण है। सामूहिक सहयोग से ही वन्यजीवों और वन संपदा की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

कार्रवाई के दौरान अधीक्षक, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर; परिक्षेत्र अधिकारी फरसेगढ़/पासेवाड़ा; परिक्षेत्र अधिकारी सेण्ड्रा; परिक्षेत्र अधिकारी कुटरू बफर; परिक्षेत्र अधिकारी कुटरू कोर; परिक्षेत्र अधिकारी मद्देड़ बफर सहित इन्द्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर का मैदानी अमला मौजूद रहा। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में वन्यजीवों के अवैध शिकार एवं वन अपराधों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

100% पेनल्टी के पेंच में फंसा सड़क निर्माण का भुगतान, शिकायत पर समाधान नहीं हुआ

सड़क पूरी, 16.50 लाख की लिमिट फिर भी 2 लाख भुगतान!

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता/ राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 21 अगस्त। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़क निर्माण और भुगतान को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रु068-रु048 रोड से पटेलपारा तक 2.10 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने, विभागीय निरीक्षण में मौके पर सड़क बनी हुई पाए जाने और 16.50 लाख रुपये की लिमिट जारी होने के बाद भी ठेकेदार को भुगतान के नाम पर महज करीब 2 लाख रुपये मिलने की स्थिति सामने आई है।

मामले में सबसे चौंकाने वाली बात विभागीय पेनल्टी से जुड़ी बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 16.50 लाख रुपये की लिमिट में आवश्यक कटौतियों के बाद करीब 2 लाख रुपये का भुगतान निकल रहा है। उन्होंने बताया कि टेंडर अमाउंट की 10 प्रतिशत राशि पेनाल्टी के रूप में काटकर शेष राशि का भुगतान किए जाने के संबंध में उच्च कार्यालय से मार्गदर्शन मांगा गया है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब सड़क मौके पर बन चुकी है, विभागीय अधिकारियों ने निरीक्षण कर निर्माण कार्य पाया और भुगतान की लिमिट भी जारी हो चुकी है, तो आखिर ऐसी कौन-सी प्रक्रिया है जिसके चलते 16.50 लाख की स्वीकृत लिमिट में से करीब 2 लाख रुपये ही भुगतान योग्य रह गए?

20-24 लाख के काम का ऐसा हिसाब, कैलकुलेटर भी हुआ बेहालः इस पूरे मामले ने विभागीय गणित पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क निर्माण कार्य को लेकर ठेकेदार पक्ष द्वारा करीब 24 लाख रुपये के कार्य का दावा किया जा रहा है, जबकि विभागीय स्तर पर 16.50 लाख रुपये की लिमिट जारी होने की बात कही गई है। इसके बाद कटौतियों और पेनाल्टी के चलते करीब 2 लाख रुपये भुगतान योग्य बताए जा रहे हैं।

बिना मौके की वास्तविक स्थिति देखे निरस्तीकरण का आरोपः ठेकेदार प्रतिनिधि का आरोप है कि बीजापुर जिले की करीब 45 सड़कों को निरस्तीकरण की कार्रवाई में शामिल किया गया था। इनमें रु068-रु048 रोड से पटेलपारा सड़क भी शामिल थी, जबकि मौके पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका था।ठेकेदार पक्ष का कहना है कि यदि निरस्तीकरण से पहले प्रत्येक सड़क की वास्तविक भौतिक स्थिति का गंभीरता से सत्यापन किया जाता, तो निर्माण पूर्ण हो चुकी सड़क को लेकर ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती।

5 जून के निरीक्षण में सड़क निर्माण पूर्ण मिलने का दावा : ठेकेदार प्रतिनिधि के अनुसार 5 जून 2026 को किए गए निरीक्षण में मौके पर सड़क निर्माण कार्य पूर्ण पाया गया। इसके बाद तत्कालीन प्रभारी कार्यपालन अभियंता नवीन तोंडे द्वारा बिल को भुगतान

की प्रक्रिया में भेजे जाने की जानकारी दी गई। इसके बाद 17 जून को जगदलपुर सर्किल के अधीक्षण अभियंता स्तर से भी निरीक्षण किए जाने और मौके पर कार्य निर्मित पाए जाने का दावा किया गया। इसके बाद भुगतान की अनुमति की प्रक्रिया आगे बढ़ने की बात कही गई।

9 जुलाई को लिमिट जारी, फिर भुगतान में क्यों अड़ंगाः बताया गया कि विभागीय प्रक्रिया के बाद 9 जुलाई 2026 को प्रमुख अभियंता स्तर से 16.50 लाख रुपये की लिमिट जारी की गई। लेकिन इसके बावजूद भुगतान की स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

चार स्तर के निरीक्षण के बाद भी भुगतान पर सवाल : ठेकेदार प्रतिनिधि श्रीनिवास झाड़ी ने आरोप लगाया कि सड़क का निरीक्षण उप अभियंता, सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता और अधीक्षण अभियंता स्तर तक किया गया। इसके अलावा कलेक्टर की जांच टीम द्वारा भी रिपोर्ट तैयार किए जाने की बात कही गई है। ठेकेदार प्रतिनिधि का कहना है कि यदि इतने स्तरों पर निरीक्षण के बाद सड़क मौके पर निर्मित पाई गई है, तो भुगतान को लेकर उत्पन्न स्थिति का स्पष्ट समाधान विभाग को करना चाहिए।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तक पहुंचा मामलाः भुगतान और सड़क के निरस्तीकरण को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जिला कलेक्टर बीजापुर तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण रायपुर के समक्ष शिकायत किए जाने की बात भी सामने आई है। शिकायत के बावजूद अब तक अपेक्षित समाधान नहीं होने का आरोप ठेकेदार पक्ष ने लगाया है।

भुगतान अटका तो मजदूर से लेकर वाहन मालिक तक प्रभावितः ठेकेदार पक्ष का कहना है कि सड़क निर्माण में केवल ठेकेदार ही नहीं, बल्कि स्थानीय मजदूर, वाहन मालिक, मशीन संचालक, डीजल आपूर्तिकर्ता, निर्माण सामग्री से जुड़े कारोबारी और अन्य कई लोग जुड़े होते हैं। भुगतान लंबित रहने से इन सभी की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। खासकर नक्सल प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में सड़क निर्माण के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में निर्माण पूरा होने के बाद भुगतान अटकना ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बताया जा रहा है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सड़क निर्माण की चुनौती : संबंधित क्षेत्र नक्सल प्रभावित एवं दुर्गम इलाकों में आता है। ठेकेदार पक्ष के अनुसार इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिजर्व से संबंधित वन अनुमति प्रक्रियाओं के बाद सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। जिसकी अनुमति 30 मार्च को प्रदान किया गया है। ऐसे क्षेत्र में निर्माण सामग्री पहुंचाने, मशीनरी ले जाने और मजदूरों के साथ काम पूरा करने में सामान्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक चुनौतियां होती हैं। इसके बावजूद सड़क निर्माण पूरा किए जाने का दावा किया गया है।

अब विभागीय जवाब पर टिकी निगाहेंः इस मामले में कार्यपालन अभियंता रूपेन्द्र कुमार भुआर्य ने बताया कि 16.50 लाख रुपये की लिमिट में आवश्यक कटौतियां करने के बाद करीब 2 लाख रुपये का भुगतान निकल रहा है। उन्होंने कहा कि आगे क्या किया जाना है, इसके लिए उच्च कार्यालय से मार्गदर्शन मांगा जा रहा है। अनुमति नहीं मिलने के कारण असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि टेंडर अमाउंट की 10 प्रतिशत राशि पेनाल्टी के रूप में काटकर शेष करीब 2 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा।

अब सवाल यह है कि जब सड़क का निर्माण पूरा होने और मौके पर कार्य पाए जाने की बात सामने आ रही है, तो इतनी बड़ी कटौती और पेनाल्टी का आधार क्या है? क्या विभागीय स्तर पर इस मामले में कोई स्पष्ट तकनीकी या प्रशासनिक आदेश है? और यदि है, तो उसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही?

बड़ा सवाल—सड़क बनी या फाइलों में उलझीः PMGSY जैसी महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ना है। ऐसे में सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद भी यदि भुगतान और निरस्तीकरण की प्रक्रिया में विवाद पैदा होता है, तो इसका सीधा असर योजना की विश्वसनीयता पर पड़ता है।

अब निगाहें जिला प्रशासन और उच्च विभागीय अधिकारियों पर हैं कि वे मामले की निष्पक्ष जांच कर सड़क की वास्तविक स्थिति, निरीक्षण रिपोर्ट, पेनाल्टी के आधार और भुगतान में हुई कटौती को स्पष्ट करते हैं या नहीं।

क्योंकि सवाल सिर्फ 2 लाख के भुगतान का नहीं है–सवाल उस सरकारी गणित का है, जिसमें सड़क पूरी होने के बाद भी भुगतान अधूरा और पेनाल्टी पूरी कहानी पर भारी पड़ती नजर आ रही है।

एनएचएम परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर कलेक्टर को सौंपा पत्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 21 अगस्त। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एनएचएम संविदा भर्ती की कौशल परीक्षा को पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की मांग की है। संघ ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को पत्र सौंपकर परीक्षा प्रक्रिया में स्वास्थ्य विभाग से तटस्थ प्रशासनिक अधिकारी की प्रत्यक्ष उपस्थिति एवं निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

संघ का कहना है कि संविदा पदों पर भर्ती के लिए आयोजित होने वाली कौशल परीक्षा बेरोजगार अभ्यर्थियों के भविष्य और विभागीय कार्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। ऐसे में पूरी परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए जाने की आवश्यकता है, ताकि किसी भी प्रकार की शंका अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

संघ ने मांग की है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्र तक उसकी सुरक्षित डिलीवरी और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन तक की पूरी प्रक्रिया तटस्थ प्रशासनिक अधिकारी की निगरानी में कराई जाए। उत्तर पुस्तिकाओं की जांच विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं दक्ष कर्मचारियों से कराए जाने की भी मांग की गई है।

पत्र में यह भी कहा गया है कि परीक्षा की तिथि को ही उसी परीक्षा केंद्र में मूल्यांकन कार्य संपन्न कराने तथा अभ्यर्थियों को उनकी उत्तर पुस्तिका दिखाने की व्यवस्था की जाए, ताकि अभ्यर्थी अपने प्राप्त अंकों से संतुष्ट न होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज करा सकें।

संघ ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि इन सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए कौशल परीक्षा की गरिमा, पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए तटस्थ प्रशासनिक अधिकारी की प्रत्यक्ष उपस्थिति एवं निगरानी में चयन परीक्षा संपन्न कराई जाए। संघ का कहना है कि इससे भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का विश्वास बढ़ेगा और भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद की संभावना को भी कम किया जा सकेगा।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सदाशिव दुर्गम, मुकेश पटेल एवं राजेश यालम उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास का किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 21 अगस्त। अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल ने प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास बीजापुर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों की सुविधाओं, भोजन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्था का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने छात्रावास में विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा उनकी दैनिक गतिविधियों की उचित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने छात्रावास में रहने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के निर्देश दिए। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में विशेष साफ सफाई रखने तथा किसी भी प्रकार की गंदगी एवं जलजमाव नहीं होने देने को कहा।

अपर कलेक्टर ने विशेष रूप से पानी के जमाव को रोकने और मच्छरों के पनपने की स्थिति समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास परिसर, नालियों एवं आसपास के स्थानों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा जलजमाव वाले संभावित स्थानों की लगातार निगरानी करने को कहा, ताकि डेंगू, मलेरिया सहित अन्य मच्छरजनित एवं मौसमी बीमारियों से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके। अपर कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और विद्यार्थियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

जगदलपुर,21 अगस्त। जांगड़े ने हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी नीलू उर्फ नीलुराम मंडावी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों धाराओं में आरोपी पर 100-100 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, थाना परपा क्षेत्र के ग्राम बड़े बोदल निवासी बोड़ंकू मंडावी अपनी पत्नी जयमनी मंडावी के साथ कोठार बाड़ी में थे। इसी दौरान आरोपी नीलू उर्फनीलुराम मंडावी को रात्री 8 बजे पेज खाने बोलने पर नही खाना है मुझे भूख नहीं है कहते हुए हथौड़ा एवं राड लेकर आया अपनी भाभी को तुम्हारे कारण ही मेरी पत्नी अपने मायके भागी है मै तुम्हें नही छोडुगा जान से मारूँगा कहते हुए अपने बड़े भाई बोड़ंकू और भाभी जयमनी की हत्या करने के आशय से उन पर रॉड और हथौड़े से हमला कर दिया। आरोपी ने दोनों के सिर, चेहरे, कनपटी सहित शरीर के कई हिस्सों में ताबड़तोड़ वार किए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए डिमरापाल स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान अगले दिन जयमनी मंडावी की मृत्यु हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल बोड़ंकू मंडावी के सिर में दस टांके लगाए गए। उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और वह स्वस्थ हो गया। पुलिस ने मामले की जांच पूरी करने के बाद आरोपी नीलू मंडावी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) और 109 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में अभियोजन प्रस्तुत किया। करीब डेढ़ वर्ष तक चली सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। इसके बाद न्यायालय ने अगस्त 2026 में अपना फैसला सुनाते हुए हत्या के अपराध में आजीवन कारावास तथा हत्या के प्रयास के अपराध में सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

ट्रैक्टर फाइनेंस के नाम पर 15.73 लाख की ठगी के मामले में ग्रामीणों ने विधायक से लगाई न्याय की गुहार

■ गंगालूर क्षेत्र के ग्रामीणों ने जॉन डियर शोरूम के मालिक एवं मैनेजर के खिलाफएफआईआर और राशि वापस दिलाने की मांग की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 21 अगस्त। गंगालूर क्षेत्र के ग्राम कावड़गांव, हिरोली, गंगालूर, मेटापाल सहित आसपास के गांवों के आदिवासी ग्रामीणों ने ट्रैक्टर फाइनेंस कराने के नाम पर लाखों रुपये की कथित ठगी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने मामले को लेकर बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी को ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और कथित रूप से ली गई राशि वापस दिलाने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, शिवम् ट्रैक्टर (जॉन डियर), जी.ए.डी. कॉलोनी बीजापुर से जुड़े मैनेजर माधव मण्डल द्वारा ट्रैक्टर फाइनेंस कराने का भरोसा दिलाकर उनसे अलग-अलग रकम जमा कराई गई। ग्रामीणों का आरोप है कि कुल 15 लाख 73 हजार रुपये लेने के बाद न तो ट्रैक्टर फाइनेंस की प्रक्रिया पूरी की गई और न ही राशि वापस की गई।

ट्रैक्टर फाइनेंस के नाम पर रकम लेने का आरोप : ग्रामीणों ने बताया कि वे ट्रैक्टर खरीदकर खेती-किसानी से अपनी आजीविका मजबूत करना चाहते थे। इसी दौरान उन्हें ट्रैक्टर फाइनेंस कराने का भरोसा दिया गया। आरोप है कि फाइनेंस की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर अलग-अलग ग्रामीणों से रकम ली गई। लेकिन राशि जमा करने के बाद लंबे समय तक ट्रैक्टर फाइनेंस नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। अब संबंधित व्यक्ति उनके फोन कॉल भी रिसीव नहीं कर रहा है।

15.73 लाख रुपये की राशि का दावा : ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कुल 15 लाख 73 हजार रुपये की राशि लिए जाने का आरोप लगाया गया है। प्रभावित ग्रामीणों में भीमा कुंजाम, दिनेश पुनेम, जगत कुंजाम, सामूराम कुंजाम, संजू कुंजाम, पोदया पोटाम, संजू हेमला, जग्गू पोटाम, मंगल कारम, सुक्का पूनेम, दुला पूनेम, लखमा पूनेम, छोटू पूनेम, सुखराम पूनेम और मंगल पूनेम सहित अन्य ग्रामीणों के नाम शामिल हैं। ग्रामीणों ने विधायक से मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा उनकी राशि वापस दिलाने की मांग की है।

विधायक ने मामले को बताया गंभीर : ज्ञापन प्राप्त करने के बाद विधायक विक्रम मंडावी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि आदिवासी ग्रामीणों के साथ फाइनेंस के नाम पर किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। विधायक ने यह भी कहा कि प्रभावित ग्रामीणों की राशि वापस दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

एसपी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांगः ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, बीजापुर को पत्र लिखकर मामले की जांच एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

विधायक ने आम नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी फाइनेंस कंपनी या उसके प्रतिनिधि के माध्यम से वाहन अथवा अन्य सामान फाइनेंस कराने से पहले संबंधित संस्था की वैधता, दस्तावेज और भुगतान की पूरी प्रक्रिया की जांच अवश्य करें तथा प्रत्येक लेनदेन की रसीद एवं प्रमाण अपने पास सुरक्षित रखें।

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी वास्तविकताः फिलहाल ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की आधिकारिक जांच और पुलिस कार्रवाई के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि पुलिस और प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच कर कथित रूप से ली गई राशि की वसूली तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा।अब निगाहें पुलिस प्रशासन की जांच और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

14वीं इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 अगस्त को

जगदलपुर, 21 अगस्त। बस्तर जिला जूडो संघ के तत्वावधान में दो दिवसीय 14वीं इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन बस्तर जिला मुख्यालय के टाउन हॉल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 22 अगस्त को शाम 4 बजे आयोजित होगा। इस प्रतियोगिता में बस्तर संभाग के बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा एवं बीजापुर जिलों के साथ-साथ राजनांदगांव, सर्वदा एवं धमतरी से लगभग 250 खिलाड़ी एवं 30 अधिकारी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों एवं अधिकारियों के लिए आवास, भोजन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं बस्तर जिला जूडो संघ द्वारा की गई हैं। संघ ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली है।उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि योगेंद्र पांडेय, संरक्षक ऑल बस्तर जिला जूडो संघ होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हाजी वसीम अहमद, ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन; सुशांत पोल, खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जगदलपुर; अमित जैन, डायरेक्टर, संस्कार द गुरुकुल; अभिषेक अवस्थी, डायरेक्टर, सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी, जगदलपुर; राणा घोष, अध्यक्ष, बस्तर जिला फुटबॉल संघ तथा शंकर श्रीवास, अभिकर्ता, एलआईसी उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता का समापन समारोह 23 अगस्त को आयोजित किया जाएगा।

एक नजर

स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर

रायगढ़, 21 अगस्त। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे ने आज जनपद पंचायत रायगढ़ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सखी-सहेली संकुल संगठन लोईंग की बैठक लेकर योजना के निर्धारित लक्ष्यों में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने तथा स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अधिक से अधिक आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया।

बैंक ऋण और सामुदायिक निधियों का सही उपयोग कर महिलाओं को आजीविका से जोड़ने पर जोरबैठक में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए बैंक क्रेडिट लिंकेज, उद्यम वित्त ऋण, चक्रीय निधि एवं सामुदायिक निवेश निधि सहित बिहान योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न वित्तीय गतिविधियों की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उपलब्ध राशि का उद्देश्यपूर्ण एवं सही उपयोग सुनिश्चित करते हुए महिलाओं को स्थायी आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना, उत्पादक समूहों तथा अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों के माध्यम से समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया।

बाढ़ आपदा से निपटने के लिए ग्राम चंघोरी में हुआ मॉक ड्रिल

रायगढ़, 21 अगस्त। संभावित बाढ़ आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन की तैयारियों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को परखने पुसौर विकासखंड के महानदी तटवर्ती ग्राम चंघोरी में बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में हुए इस अभ्यास में बाढ़ की स्थिति में महानदी में फंसे लोगों को मोटरबोट के जरिए सुरक्षित निकालने, डूब रहे व्यक्ति का रेस्क्यू करने, प्राथमिक उपचार देने तथा आपात स्थिति में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया का जीवंत अभ्यास किया गया। यह मॉक ड्रिल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण रायगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।मॉक ड्रिल के दौरान सुबह करीब 10 बजे सूचना दी गई कि महानदी का जलस्तर बढ़ने से चंघोरी क्षेत्र में कुछ लोग नदी के बीच टापू पर फंस गए हैं। सूचना मिलते ही जिला स्तर पर राहत एवं बचाव व्यवस्था सक्रिय की गई। जिला आपदा राहत बल के प्रशिक्षित तैराकों की टीम मोटरबोट के साथ तत्काल मौके पर पहुंची और नदी में फंसे लोगों तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद लोगों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया तथा उनकी चिकित्सकीय जांच और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही नदी में डूब रहे व्यक्ति के बचाव की प्रक्रिया का भी अभ्यास किया गया। इस दौरान प्रशिक्षित तैराकों, मोटरबोट, चिकित्सा दल और एम्बुलेंस को एक साथ तैनात कर आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई की क्षमता को परखा गया।

संत गाडगे बाबा चौक का भूमिपूजन एवं नामकरण किया गया

अंवरी, 21 अगस्त। नगर पंचायत भखारा-भठेली क्षेत्र में विभिन्न चौक-चौराहों का नामकरण महापुरुषों के नाम पर किए जाने की पहल के तहत बायपास चौक का नामकरण निर्मलकर समाज के शिरोमणि संत गाडगे बाबा जी महाराज के नाम पर किया गया। इसी कड़ी में संत गाडगे बाबा चौक के भूमि पूजन एवं नामकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तथा इस आशय का नामकरण बोर्ड भी स्थापित किया गया।विधायक अजय चंद्राकर जी के मार्गदर्शन में नगर पंचायत परिषद की बैठक में नगर क्षेत्र के विभिन्न चौक-चौराहों का महापुरुषों के नाम पर नामकरण करने का निर्णय लिया गया था। इसी निर्णय के तहत बायपास चौक का नाम संत गाडगे बाबा जी महाराज के नाम पर रखा गया। चौक का नामकरण होने से निर्मलकर समाज में विशेष प्रसन्नता एवं उत्साह का वातावरण है।नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति जैन ने कहा कि महापुरुषों के नाम पर चौक-चौराहों का नामकरण नई पीढ़ी को उनके जीवन, संघर्ष और समाजसेवा से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। संत गाडगे बाबा जी महाराज ने स्वच्छता, सेवा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नाम पर चौक का नामकरण होना नगर के लिए गौरव की बात है। नगर पंचायत उपाध्यक्ष विष्णु साहू ने कहा कि संत गाडगे बाबा जी महाराज ने समाज में स्वच्छता, शिक्षा, सेवा और सामाजिक जागरूकता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उनके नाम पर चौक का नामकरण होना न केवल निर्मलकर समाज बल्कि पूरे नगर के लिए गौरव की बात है।

आवास योजना के तहत लाभार्थियों को भवन निर्माण अनुमति पत्र वितरित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 21 अगस्त। प्रधानमंत्री आवास योजन 2.0 के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को स्वयं का पक्का मकान निर्माण करने के लिए भवन निर्माण अनुमति पत्रों का वितरण किया गया। नगर पंचायत सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लाभार्थियों को अनुमति पत्र प्रदान किए गए।इस अवसर पार्षद सलीम मेमन ने बताया गया कि आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

एवं शासन से भुगतान प्रक्रिया को सरल किया जाय,भवन निर्माण अनुमति मिलने से हितग्राही नियमानुसार अपने आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ कर सकेंगे।कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि वे स्वीकृत राशि का सदुपयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण कराएं।मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोक सलामे ने बताया कि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर लगातार लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान उपाध्यक्ष समीम खान, सभापति बलराज पटेल, पार्षद , पंचराम टंडन,देवीसिंह नेताम, शांतनु देवांगन, दीप्ति यादव, एल्डरमैन तुलाराम साहू,सफर सचदेव,धर्मेंद्र चंद्राकर आवास मित्र रामचरण बंसे,गिरवर लहरे,वकील खान, सुभाष बैगा, तीजू निर्मलकर एवं अन्य मौजूद थे।हितग्राही का नाम जिन्हें अनुमति पत्र सौंपा गया निर्मला बाई देवांगन विजय लाल सिन्हातीजू राम निर्मलकर, समार सिंह,सोनम दीक्षित,लोकेश्वर ध्रुव,हितेश दीक्षित,भारती सिन्हा,खुबचंद चन्द्राकर,वकील मोहम्मद शेख,अन्जू रानी द्विवेदी,सेवन रात्रे,झनक राम लहरे,लक्ष्मण सिंग ठाकुर,धनेश्वर यादव,संतराम यादव,हेमन्त कुमार,सुभाश चन्द्र सेन,रितेश कुमार निर्मलकर,अभिलेष गुप्ता,मोहम्मद जावेद,ओमीन साहू आदि थे।

सद्भावना दिवस देता है शांति और भाईचारे का संदेश: डॉ. रानी झा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 21 अगस्त। आईएसबीएम विश्वविद्यालय में कला एवं मानविकी विभाग द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2026, गुरुवार को सद्भावना दिवस के अवसर पर Goodwill Pledge Ceremony (सद्भावना शपथ समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिवार में आपसी सद्भाव, भाईचारे, एकता, सहयोग और सकारात्मक सामाजिक मूल्यों की भावना को मजबूत करना रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, प्राध्यापको एवं कर्मचारियों ने सद्भावना और आपसी सम्मान की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापिका डॉ. मुमताज़ परवीन ने अपने उद्बोधन भाषण में बतायी कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए परस्पर सम्मान, सहयोग एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, मानवीय मूल्यों तथा एकता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के अगले वक्ता के रूप में वि.वि. के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. ओ.पी. साहू ने यह संदेश दिया गया कि किसी भी शिक्षण संस्थान की भूमिका केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उनके व्यक्तित्व में नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुणों का विकास करना भी उसका महत्वपूर्ण दायित्व है। सद्भावना दिवस जैसे आयोजन विद्यार्थियों को विविधताओं के बीच एकता और परस्पर सम्मान के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।तत्पश्चात विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. पी विस्वनाथान ने समाज में जाति, भाषा, क्षेत्र, धर्म अथवा अन्य किसी भी प्रकार के भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना बनाए रखने को कहा । साथ ही, समाज में सकारात्मक सोच, सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं विश्वविद्यालय की संयुक्त कुलसचिव डॉ. रानी झा ने कहा कि सद्भावना दिवस पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने श्री गांधी के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस हमें प्रेम, शांति, एकता और भाईचारे के साथ रहने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्म, भाषा और संस्कृति के बावजूद हम सभी एक राष्ट्र का हिस्सा हैं। इसलिए हमें आपसी मतभेदों को भुलाकर सम्मान, सहयोग और सद्भावना के साथ मिल-जुलकर रहना चाहिए।इसके पश्चात सहायक प्राध्यापक श्री रमेश कुमार नायक ने Goodwill Pledge का वाचन कराया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों ने सद्भावना एवं सकारात्मक सामाजिक व्यवहार के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के संयोजक सहायक प्राध्यापक श्री कृष्ण कुमार साहू ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, प्राध्यापको एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए कृतज्ञता प्रकट करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का सुचारु एवं प्रभावी मंच संचालन डॉ. अश्वनी साहू ने किया।

छुरा ब्लॉक से रामलला तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या रवाना

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा,21 अगस्त। छुरा ब्लॉक क्षेत्र से रामलला तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का माहौल रहा।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ तीर्थ यात्रा का शुभारंभ किया। योजना के माध्यम से क्षेत्र के श्रद्धालुओं को धार्मिक एवं ऐतिहासिक तीर्थस्थलों के दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं परिजनों ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए मंगलमय यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन कर क्षेत्र एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि तथा सभी के कल्याण की प्रार्थना करने की बात कही। नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद एवं सभापति बलराज पटेल ने हरि झंडी दिखाकर ,तिलक लगाकर यात्रियों को रवाना किया।रामलला तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं को लेकर यात्रियों में भी प्रसन्नता देखी गई। तीर्थयात्रियों के रवाना होने के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री थानसिंग निषाद कयाराम यादव करारोपण अधिकारी, विकास सोनी, समाजसेवी शीतल ध्रुव, धनेश्वर नाग, कमलेश सिन्हा,मिथलेश सिन्हा ,मेघराज यादव,सीताराम, फ़नेश्वर सेन,हीरालाल सिन्हा एवं अन्य उपस्थित रहे।

आश्रम-छात्रावासों में प्रवेशित विद्यार्थियों की जानकारी अब पोर्टल पर होगी सार्वजनिक

रायगढ़, 21 अगस्त। छत्तीसगढ़ राज्य में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं की जानकारी अब आम नागरिकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होगी। विभाग द्वारा संचालित छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर प्रवेशित समस्त विद्यार्थियों की जानकारी सार्वजनिक किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह पहल आश्रम-छात्रावास व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल https://hmstribal.cg.nic.in पर प्रवेशित सभी छात्र-छात्राओं की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

विधायक इंद्र साव ने एसपी से कई मामलों की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 21 अगस्त। भाटापारा क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर विधायक इन्द्र साव ने नाराजगी जताते हुए पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। विधायक साव अलग-अलग मामलों की शिकायत लेकर एसपी के पास पहुंचे और मामलों में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की।विधायक इन्द्र साव ने गुर्रा, दौरेंगा, दतरेंगी और सेमरिया (ब) में हुई मौतों के मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इसके साथ ही विधायक ने सिंगारपुर में अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई तथा फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी एसपी के समक्ष रखी।इस दौरान विधायक इन्द्र साव ने पीड़ित पक्ष के लोगो के साथ एसपी से मिले और सभी मामलों में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। विधायक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो थाना घेराव कर आंदोलन किया जाएगा।विधायक ने पुलिस प्रशासन से सभी मामलों में गंभीरता और निष्पक्षता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

इतवारी बाजार सिंदूर पार्क में रविवार को श्रमिकों के लिए विशेष पंजीयन एवं योजना लाभ शिविर

रायगढ़, 21 अगस्त। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को शासन की सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से श्रम विभाग रायगढ़ एवं नगर निगम रायगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 23 अगस्त को विशेष पंजीयन एवं योजना लाभ शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से इतवारी बाजार स्थित सिंदूर पार्क, रायगढ़ में होगा। शिविर में असंगठित श्रमिकों का मौके पर पंजीयन करने के साथ ही पहले से पंजीकृत पात्र श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

भूपदेव स्कूल में किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण और सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दी गई जानकारी

रायगढ़, 21 अगस्त। किशोरियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) संक्रमण, इससे होने वाली बीमारियों तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण के महत्व की जानकारी देने के उद्देश्य से भूपदेव स्कूल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को एचपीवी संक्रमण से बचाव तथा समय पर टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

लोटे चोको पाई के एक बैच को असुरक्षित घोषित कर खरीद-बिक्री पर लगाई रोक

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 21 अगस्त। आम जनता की खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लोटे चोको पाई के एक विशेष बैच को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जांच में उक्त खाद्य पदार्थ को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद आम उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे संबंधित बैच नंबर का लोटे चोको पाई न खरीदें और न ही उसका सेवन करें। वहीं जिले के सभी थोक एवं फुटकर खाद्य विक्रेताओं को भी इस बैच के उत्पाद की खरीद-बिक्री एवं भंडारण तत्काल प्रभाव से बंद करने की अपील की गई है।खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अभिहित अधिकारी सुधार चौधरी ने बताया कि फर्म लोटे इंडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नंबर 26, थिरूवेल्लूर मेन रोड, नेमान विपेज एंड पोस्ट, थिरूमांझीसाई, चेन्नई-600124, भारत के एफएसएसआई नंबर 10014042001580 वाले उत्पाद का नमूना जांच के लिए भेजा गया था। जांच के लिए लिए गए खाद्य पदार्थ का विवरण पैक्ड 168 ग्राम लोटे चोको पाई, बैच नंबर एनएम 10 डी सी 2 है। इसकी पैकेजिंग तिथि 10 अप्रैल 2026 तथा समाप्ति तिथि 09 अप्रैल 2027 अंकित है। उक्त नमूने की जांच कैली-लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, बिरासिया रोड, भोपाल (मध्यप्रदेश) द्वारा की गई। जांच रिपोर्ट क्रमांक आर-0565/2026 (10565/10.07.2026), विशिष्ट प्रयोगशाला रिपोर्ट क्रमांक यूएलआर-टीसी 72102600009601एफ, दिनांक 21 जुलाई 2026 के अनुसार संबंधित खाद्य पदार्थ को असुरक्षित घोषित किया गया है।

उपभोक्ता खरीद एवं सेवन से बचें

खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम जनता एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बाजार से बैच नंबर एनएम 10 डी सी 2 वाला लोटे चोको पाई खरीदते समय पैकेट पर अंकित बैच नंबर अवश्य जांच लें। यदि संबंधित बैच का उत्पाद किसी दुकान या प्रतिष्ठान में उपलब्ध हो तो उसे न खरीदें और उसका सेवन भी न करें। विभाग का उद्देश्य असुरक्षित खाद्य पदार्थ के क्रय एवं उपभोग को रोकते हुए आम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

छातामुड़ा चौक पर हाइवे सेफ्टी टास्क फोर्स ने यातायात सुरक्षा के लिए की कड़ी कार्रवाई

रायगढ़, 21 अगस्त। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में यातायात व्यवस्था में सुधार तथा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के उद्देश्य से गठित हाइवे सेफ्टी टास्क फोर्स ने छातामुड़ा चौक सहित प्रमुख मार्गों पर सघन जांच एवं कार्रवाई की। अभियान के दौरान यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले भारी वाहनों, अवैध पार्किंग और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध मौके पर ही कार्रवाई की गई।

एडीएम श्री अपूर्व टोप्पो, डीएसपी यातायात श्री उत्तम प्रताप सिंह, जिला परिवहन अधिकारी श्री गौरव साहू और अनुविभागीय अधिकारी एनएच श्री महेश गुप्ता के नेतृत्व में हुई संयुक्त कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक मार्ग पर भारी वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित करने के मामले में एक ट्रक मालिक के खिलाफ थाना जूटमिल में भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत अपराध दर्ज किया गया। प्रशासन और पुलिस ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्ग को बाधित करने अथवा यातायात व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान हाईवे किनारे नालियों के ऊपर अवैध रूप से कब्जा कर लगाए गए दो ठेलों को भी मौके से हटाया गया। इससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों के लिए सड़क किनारे आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में कार्रवाई की गई। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेतरतीब ढंग से वाहन खड़ा कर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले 24 भारी वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई। इन वाहनों से कुल 49 हजार 300 रुपये का जुर्माना मौके पर ही वसूला गया।

कार्रवाई के दौरान वाहन मालिक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि एफसीआई से लेकर छातामुड़ा चौक तक सड़क के दोनों ओर किसी भी स्थिति में ट्रक खड़े न किए जाएं। अधिकारियों ने कहा कि सड़क किनारे भारी वाहनों की पार्किंग से यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है, इसलिए निर्धारित स्थानों पर ही वाहनों को खड़ा किया जाए।

रायगढ़ जिले की चार महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए करोड़ों की मंजूरी

रायगढ़, 21 अगस्त। जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने और आम लोगों के आवागमन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में राज्य शासन ने चार महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण एवं सतह मजबूतीकरण कार्यों के लिए करोड़ों रुपये की प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप तथा वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी के विशेष प्रयासों से मिली इन स्वीकृतियों से जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। लंबे समय से इन प्रमुख मार्गों के निर्माण एवं नवीनीकरण की मांग की जा रही थी, जिसे राज्य शासन ने जन आकांक्षाओं और क्षेत्र की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मंजूरी दी है।

सबसे महत्वपूर्ण स्वीकृति राष्ट्रीय राजमार्ग ढिमरापुर चौक से कोतरा थाना एनएच तक सड़क निर्माण के लिए मिली है। लगभग 4.250 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण के लिए राज्य शासन ने 41 करोड़ 49 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस सड़क के लिए 31 करोड़ 73 लाख रुपये की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। सड़क निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई है और निर्माण कार्य प्रारंभ करने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। शहर के महत्वपूर्ण यातायात मार्गों में शामिल इस सड़क के बेहतर होने से आवागमन सुगम होने के साथ यातायात व्यवस्था को भी राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत जिले की महत्वपूर्ण सड़कों के सुदृढ़ीकरण, सतह मजबूतीकरण एवं नवीनीकरण कार्यों के लिए भी प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें रायगढ़ से एकताल ग्राम होते हुए मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग शामिल है। लगभग 15.30 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण के लिए 10 करोड़ 13 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस मार्ग के बेहतर होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के साथ मरीजों और उनके परिजनों को मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी।

रायगढ़-पुसौर मार्ग के लिए 7.43 करोड़ मंजूर

रायगढ़ से पुसौर मार्ग के 12.07 किलोमीटर हिस्से के सड़क सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिए 7 करोड़ 43 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह मार्ग रायगढ़ शहर को पुसौर क्षेत्र से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क की सतह मजबूत होने से इस मार्ग पर आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम होगा। इसी तरह पुसौर-रेंगालपाली से लारा (छोटे हरदी) तक 11.23 किलोमीटर सड़क के सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण के लिए 6 करोड़ 45 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। इस मार्ग के बेहतर होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और आसपास के क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क और मजबूत होगा।इन चारों महत्वपूर्ण सड़कों के लिए स्वीकृत राशि को देखें तो ढिमरापुर चौक-कोतरा थाना एनएच मार्ग के लिए स्वीकृत 41.49 करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत तीन मार्गों के लिए स्वीकृत कुल 24.01 करोड़ रुपये को मिलाकर इन चार प्रमुख सड़क परियोजनाओं के लिए लगभग 65 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है।

सड़क निर्माण के साथ मरम्मत और संधारण पर भी लगातार निगरानी

जिले में नई सड़क परियोजनाओं को गति देने के साथ ही मौजूदा सड़कों की स्थिति पर भी जिला प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। जिले के भीतर विभिन्न मार्गों की स्थिति की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि जहां सड़कें मरम्मत या संधारण योग्य हैं, वहां आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई की जा सके।

स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विभिन्न मदों से आवश्यकतानुसार सड़कों के मरम्मत एवं संधारण के कार्य भी कराए जा रहे हैं।

एक नजर

बीपीसीएल ने छत्तीसगढ़ में शुरू की भारतगैस लाइट ज़िप सेवा

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने छत्तीसगढ़ में भारतगैस लाइट ज़िप सेवा की शुरुआत की है। रायपुर से शुरू हुई इस सुविधा के तहत ग्राहकों को हल्के कंपोजिट सिलेंडर, इंस्टेंट न्यू कनेक्शन और एक्सप्रेस डिलीवरी जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यह सेवा बीपीसीएल के देशभर के 100 शहरों में विस्तार का हिस्सा है। भारतगैस लाइट कंपोजिट सिलेंडर हल्का, जंगरोधी और पारदर्शी है, जिससे सिलेंडर में मौजूद एलपीजी का स्तर आसानी से देखा जा सकता है। इसकी आधुनिक डिजाइन और आसान हैंडलिंग इसे उपभोक्ताओं के लिए सुविधाजनक बनाती है। इंस्टेंट न्यू कनेक्शन के जरिए नया एलपीजी कनेक्शन लेने की प्रक्रिया को सरल और तेज किया गया है, जबकि एक्सप्रेस डिलीवरी के माध्यम से सिलेंडर की त्वरित आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। बीपीसीएल के अनुसार, यह सुविधा कामकाजी पेशेवरों, छात्रों, युवा परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों और प्रवासी आबादी सहित विभिन्न उपभोक्ता वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। बीपीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना ने कहा कि भारतगैस लाइट ज़िप का उद्देश्य एलपीजी की उपलब्धता को अधिक सरल, तेज और सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने कहा कि हल्के कंपोजिट सिलेंडर के साथ इंस्टेंट कनेक्शन और एक्सप्रेस डिलीवरी को जोड़कर उपभोक्ताओं को बेहतर ग्राहक अनुभव देने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। देशभर में 100 शहरों तक विस्तार के साथ कंपनी एलपीजी सेवा को केवल सिलेंडर डिलीवरी तक सीमित रखने के बजाय सुविधा, गति और ग्राहक-केंद्रित अनुभव पर अधिक जोर दे रही है।

योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता का पालन हो: कलेक्टर

कांकेर 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने गुरुवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अनुशासित रहते हुए सजग होकर अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूरी शिद्दत से करें। आम जनता से अच्छा व्यवहार करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता का पालन किया जाए। शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाए। साथ ही सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य संपादित करने के लिए निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के प्राक्कलन तैयार करने के पूर्व फील्ड निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर ने जिला स्तर के सभी विभागीय अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया।

खाद्य विभाग ने नष्ट कराई 10 किलो अस्वास्थ्यकर बूंदी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार-भाटापारा 21 अगस्त। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा बुधवार को पलारी क्षेत्र मे सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान एक हॉटल मे अस्वच्छ स्थिति मे भण्डारित 10 किलो बूंदी को नष्ट कराया गया एवं नोटिस जारी किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माँ आशापुरी बीकानेर स्वीट्स पलारी, बब्बू होटल पलारी, एसके सुपर मार्ट पलारी, प्रकाश ढाबा एंड फैमली रेस्टोरेंट मेन रोड कुकदा (पलारी) का निरिक्षण कर मिल्क केक, नमकीन, पनीर, वेज बिरयानी एवं खजूर का नमूना लेकर जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। बब्बू होटल पलारी में अस्वास्थ्यकर दशाओं में भंडारित 10 किलोग्राम बूंदी को मौके पर नष्ट कराया गया।

प्रकाश ढाबा एंड फैमली रेस्टोरेंट मेन रोड कुकदा (पलारी) में अस्वच्छता पाए जाने पर मौके पर नोटिस जारी किया गया।

खाद्य रव औषधी प्रशासन विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे त्योहारों के दौरान केवल उच्च गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों के अनुरूप ही खाद्य पदार्थों का निर्माण व विक्रय करें। बिना खाद्य पंजीयन या लाइसेंस के संचालित होने वाले अस्थायी स्टॉलों और शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों की ओर होने वाली संदिग्ध मिठाइयों की सप्लाई चैन पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जागरूक रहें और पैकेटबंद मिठाइयों या सामग्रियों को खरीदते समय लेबलिंग की जाँच रव बिल अवश्य लें। ज्ञाताव्य है कि रक्षाबंधन पर्व एवं बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान बने बाबो-बने रहिवो ÷अभियान संचालित किया जा रहा है।

ममता नगर में बनाई गई अवैध दीवार निगम की टीम ने जेसीबी से हटाई

■ **शासकीय कार्य में बाधा डालने तथा विवाद करने पर अतिक्रमणकारी के विरूद्ध एफआई.आर. दर्ज**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 21 अगस्त। ममता नगर गली नं 5 में आवागमन बाधित कर अवैध रूप से दिवाल बना बंद करने पर आज नगर निगम का अमला आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में जे.सी.बी. से बाधा हटाया गया। उस दौरान अतिक्रमणकारी श्री नूतन साहू एवं उसके परिवार ने विरोध कर विवाद करने लगा। विवाद करने की स्थिति में आयुक्त ने निर्देश पर उक्त अतिक्रमणकारी के विरूद्ध सिटी कोतवाली में एफआई.आर. दर्ज कराई गयी।

उल्लेखनीय है कि ममता नगर गली नं. 5 में आवागमन हेतु प्रचलित मार्ग को श्री नूतन साहू के द्वारा बंद कर दिया गया था। जबकि साहू द्वारा ही पूर्व में उक्त क्षेत्र के प्लाट के इसी रास्ता को आवागमन का रास्ता बताकर बेचा गया था, जहाँ निगम द्वारा रोड नाली का निर्माण किया गया था। किन्तु मकान बनने के पश्चात निवासरत लोगो का उक्त मार्ग से आना जाना बंद करने दिवाल उठा कर दरवाजा लगा दिया गया था। रहवासियो द्वारा की गयी शिकायत पर नगर निगम द्वारा संबंधित को नोटिस जारी किया गया, नोटिस उपरांत नूतन साहू ने पूर्व में दी गयी सहमति के बावजूद निजी भूमि बता अवरोध नही हटाया। अवरोध नही हटाने पर आज निगम का अमला एवं पुलिस बल द्वारा जे.सी.बी. के माध्यम से उक्त दिवाल व दरवाजा का बाधा हटाकर आवागमन बहाल किया गया। उल्लेखनीय है कि नूतन साहू द्वारा रास्ता बाधित करने के कारण स्कूली बस, कालोनी के रहवासियो का आवागमन बाधित था एवं कालोनी के वरिष्ठ नागरिकगण भी प्रातःकालीन एव संध्याकालीन सैर के समय एक दूसरे से मिल नही पा रहे थे।

अवरूद्ध मार्ग का बाधा हटाने के दौरान अतिक्रमणकारी नूतन साहू एवं उसके परिवार द्वारा कार्यवाही के दौरान उपस्थित आयुक्त सहित नेताप्रतिपक्ष श्री संतोष पिल्ले, जन प्रतिनिधि एंव अधिकारियो के समक्ष अभ्रद व्यवहार एवं विवाद कर पथराव किया गया। पथराव से जे.सी.बी. का काच टूटने के साथ चालक को चोट पहुची। इस प्रकार शासकीय कार्य में बाधा डालने एवं विवाद करने पर आयुक्त श्री मरकाम के निर्देश पर नूतन साहू के विरूद्ध एफआई.आर. दर्ज कराई गयी। आयुक्त ने कहा कि आम रास्ता बंद करना और इस प्रकार का कृत्य कर शासकीय कार्य में बाधा डालना कानूनी अपराध है। कार्यवाही के दौरान निगम के तकनीकि अधिकारी,

हमें किसी को गलत कहने का कोई अधिकार नहीं है : श्रेयांशप्रभ सागर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 21 अगस्त। खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने आज यहां कहा कि हमें किसी भी धर्म या व्यक्ति की असाधना करने का अधिकार नहीं है। हमें किसी को गलत कहने का कोई हक नहीं है। किसी भी धर्म का अपमान मत करो। जब तक किसी चीज का ज्ञान नहीं है तब तक उस संबंध में टिप्पणी मत करो। जैन बगीचा स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन की श्रृंखला में श्रेयांश मुनि ने कहा कि दूसरे धर्म के साधु संतों ने भी मोक्ष प्राप्त किया है। आपको अपने ऊपर तथा अपने ज्ञान के ऊपर घमंड नहीं करना चाहिए। ज्ञानी कभी नहीं बोलता कि मैं ज्ञानी हूं यदि वह ऐसा बोलता है तो फिर वह ज्ञानी कैसा! त्यागी कभी नहीं बोलना कि मैं त्यागी हूं। यदि उसने ऐसा कहा तो फिर उसके त्याग का क्या मतलब! मुनि श्री ने कहा कि

जहां जरूरत है, वहीं कुछ कहो। ज्ञान और त्याग कोई डिग्री नहीं है जिसका प्रदर्शन करो।गुणी व्यक्ति कभी शोबाजी नहीं करता। उन्होंने कहा कि बिना मांगे दी गई सलाह की कोई कीमत नहीं होती। मुनि श्री श्रेयांशप्रभ ने कहा कि कोई भी धर्म हो उसके बारे में कुछ मत बोलो। यदि आपको समझ में नहीं आ रहा हो तो मत बोलो और समझने की कोशिश करो। उन्होंने कहा कि सच कभी बदलता नहीं है। किसी के मानने या ना मानने से कुछ नहीं होता, सत्य अपनी जगह अडिग रहता है। इस दुनिया में सब कुछ हो सकता है। जो भी मनुष्य की कल्पना शक्ति है वे सभी पृथ्वी में मौजूद है। आप यह मत कहिए कि कोई भी चीज दुनिया में नहीं है, बल्कि आप यह कहिए कि आपने ऐसी चीज अब तक देखी नहीं है।

व्यक्ति जैसा देखता है वैसा ही विचार बना लेता है: श्रीअक्षयमुनिजी मसा

राजनांदगांव 21 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। अदालतों में कृत्य की समीक्षा होती है वादी, प्रतिवादी, गवाह के आधार पर निर्णय किया जाता है ,वही आध्यात्मिक क्षेत्र में कोई देखने वाला नहीं है लेकिन अंदर का भाव, रदै क्या है उसे देखते हैं। संसार का व्यवहार निभाना है अलग है अंदर की चेतना स्वयं की जागृति से ही संभव है। व्यक्ति जैसा देखता वैसा ही विचार,सोच बना लेता है। बाहरी चेतना से निखार नहीं आती है स्वयं को अंदर में ढूंढना होगा अपने आप को। स्वयं को भीतर में ही ढूंढ सकते हैं, दुनिया को गूगल में ढूंढ सकते हैं। मानवता के विरोध में कोई धर्म नहीं टिक सकता,आज इंसान को इंसान से अलग करने की राजनीति हो रही है। प्राणी मात्र पर दया ही आनंद दिला सकता है। व्यक्ति को अहंकार की नीति पर नहीं चलना चाहिए। अध्यात्म की ओर आगे बढ़े ,व्यक्ति आज खुद बीमारी में डूबा हुआ है ,बीमारी को ठीक करें, बीमार को नहीं। आज देख रहे हैं कि साइबर हमले, फ्राड की घटनाएं बढ़ते चली जा रही है। आदमी के ऊपर इंसान को डेवलप विकसित करें। उक्त उद्गार समता भवन बालोद में प्रवचन श्रृंखला में शासन दीपक श्रीअक्षयमुनि जी मसा ने कहीं।

जैन संत श्री अक्षय मुनिजी मसा ने आगे कहा के विज्ञान का उपयोग, सदुपयोग करें, विज्ञान अभिशाप नहीं है। मानव में जो अंदर में शैतान छिपा है उस शैतान को बाहर निकालो, फिर अंदर की दुनिया सत्यम शिवम सुंदरम नजर आएगी। सारे प्राणी आज के युग में भी एक्सपर्ट हो रहे हैं समय के साथ व्यक्ति भी अपनी धुन में चला जाता है। महावीर की बातें पर गौर करना है, समझदार आदमी संग्रह नहीं करता इंसान को दान पुण्य करते रहना चाहिए, प्रतिदिन दान करने का संकल्प लेना चाहिए। सत्संग में जाओ, मनमर्जी के सिद्धांत व्यक्ति के काम नहीं आते हैं। तपस्या में क्रोध नहीं करना चाहिए ,हर बड़ा आदमी क्षमाशील होता है आज देश के प्रधानमंत्री भी क्षमाशील है। ज्ञान में शांति का भूषण होना चाहिए,ज्ञान शांति, करूणा लेकर आता है धर्म त्याग तक की बांसुरी निरंतर बजाते रहो।

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1183/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री खिलेन्द्र कुमार वर्मा पिता श्री अश्वनी वर्मा वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1185/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती चंदा वर्मा पति श्री बसंत कुमार वर्मा वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं सुनील कुमार निर्मलकर पिता भागचंद निर्मलकर निवासी ग्राम-पोष्ट-सीतागोटा थाना-बागनदी तहसील-ला.ब.नगर जिला-राजनांदगांव छ.ग. का निवासी हूं। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम ललित रजक LALIT RAJAK पिता सुनील कुमार रजक SUNIL KUMAR RAJAK अंकित हैं एवं मैं अपनी पुत्री का नया नाम परिवर्तन कर ललिता LALITA पिता सुनील कुमार निर्मलकर SUNIL KUMAR NIRMALKAR के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

सूचना जाने।

**भवदीय
(सुनील कुमार निर्मलकर)**

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं ममता रामगोपाल साहू पति रामगोपाल साहू निवासी रेल्वे कालोनी क्वाटर नं. 278/4, वार्ड नं. 04 डोंगरगढ़ पोष्ट-थाना-तहसील-डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव छ.ग. का निवासी हूं। मेरे रेलवे सर्विस बुक में नाम ममता MAMTA पति रामगोपाल साहू RAM-GOPAL SAHU अंकित हैं एवं मैं अपना नया नाम परिवर्तन कर ममता रामगोपाल साहू MAMTA RAM-GOPAL SAHU पति रामगोपाल साहू RAMGOPAL SAHU के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

सूचना जाने।

**भवदीय
(ममता रामगोपाल साहू)**

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं शोएब हुसैन पिता मुस्ताक हुसैन निवासी इंदिरा नगर वार्ड नं.05 डोंगरगढ़ पोष्ट-थाना-तहसील-डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव छ.ग. का निवासी हूं। मेरे समस्त दस्तावेज में नाम प्रियांश साहू PRIYANSH SAHU पिता केशव साहू KESHAV SAHU अंकित हैं एवं मैं अपना नया नाम परिवर्तन कर शोएब हुसैन SHOAIB HUSAIN पिता मुस्ताक हुसैन MUSTAK HUSAIN के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

सूचना जाने।

**भवदीय
(शोएब हुसैन)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. 202607095300012-ब/121-वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक बनवाली पिता बिजेलाल जाति गोड़ निवासी ग्राम शिवपुरी तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा अपने माता दयाबती पति बिजेलाल का दिनांक 24/05/2009 को ग्राम शिवपुरी में मृत्यु हुआ था जिसका ग्राम पंचायत के जन्म/मृत्यु पंजी में दर्ज नही कराया गया है। आवेदक द्वारा अपने माता दयाबती पति बिजेलाल का दिनांक 24/05/2009 को ग्राम पंचायत शिवपुरी में मृत्यु दर्ज कराने बाबत् आवेदन पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र, प्रति पेश कर मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु अदेय आदेश जारी करने का निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 24.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

**अतिरिक्त तहसीलदार
डोंगरगढ़**

कार्यालय नगर पंचायत-नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)
E-mail-cmonagri84@gmail.com

क्र./724/न.पं/लो.नि.वि./नि.आ.सू./2026-27 नगरी, दिनांक 20/08/2026

!! प्रथम मैन्युअल निविदा आंमत्रण सूचना!!

नगर पंचायत नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.) को 15वें वित्त आयोग मद वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न निर्माण/विकास कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड/पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र-A में प्रचलित एस.ओ.आर. PWD Building SOR 10.06.2026, PWD Road SOR 15.06.2026 से प्रतिशत दर पर निविदा प्रपत्र वेबसाइट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

1 निविदा प्रारूप में पजीकृत डॉक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि - दिनांक 14.09.2026 समय-सायं 03:00 बजे तक।
2 प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि- - दिनांक 15.09.2026 समय-सायं 12:00 बजे।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	समयावधि
1	सी.सी. रोड आर.सी.सी. नाली, पेवर ब्लाक, खेल मैदान एवं गार्डन मूरल आर्ट कार्य (कुल 14 कार्य)	54.78	कार्यादेशानुसार

टीपः- उपरोक्त निर्माण कार्यो की सूची एवं निविदा की सामान्य शर्तों, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी नगर पंचायत कार्यालय एवं विभागीय वेबसाईट के www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

**मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत-नगरी**

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 17.08.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर दिनांक 07.09.2026 तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सूं.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
283/197766	आछोटी जिला दुर्ग में स्थित Diet कॉलेज में पुरूष शौचालय, महिला शौचालय सी.डब्ल्यू.एस.एन. शौचालय, बोरवेल सुविधा, केंटिन कैफेटेरिया, पीने के पानी की सुविधा, पार्किंग सुविधा और रेनवॉटर हार्वेरिस्टंग का निर्माण कार्य	56.03
284/197768	जिला कबीरधाम में वॉच टॉवर का निर्माण कार्य।	10.54
285/197769	कवर्धा संभाग के उपसंभाग शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वाटर प्रुफिंग ट्रिटमेंट कार्य	20.00
286/197771	संभाग मोहला-मानपुर-अं. चौकी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में रोड़ मार्किंग एवं रोड़ साईन बोर्ड का कार्य।	20.00

टीपः-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब Portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

जी- 262702884/7

**अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग**

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1173/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती हेमा देशमुख पति श्री अजय कुमार देशमुख वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1175/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती स्वाती सिंह पति श्री कौशल किशोर वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1177/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पी. रामू राव पिता पी. कोदनमल वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया हैं।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित है नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1179/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती नरेश वर्मा पिता स्व. संतराम वर्मा वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया हैं।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/1181/न.पा./रा.वि./2026-27
तिल्दा-नेवरा दिनांक 20/08/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती प्रियम कुमारी पति श्री रविन्द्र नाथ वार्ड क्र. 03 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र कृष्णा लाईफ स्टाईल कालोनी वार्ड क्र. 03 वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का मकान मय मलमा बिक्रीनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 03 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक .... को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता हैं।

मुहर

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा**

कार्यालय नगर पालिका परिषद् सिमगा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक/611/लो.नि.वि./न.पा.प./2026-27 सिमगा, दिनांक 20 अगस्त 2026

मैन्यूवल पद्धति से तृतीय एवं चतुर्थ निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद् सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) को अध्यक्ष/पार्षद निधि मद वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड/पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र-A में प्रचलित एस.ओ.आर. CGPWD Building SOR w.e.f. 01.01.2015 से प्रतिशत दर पर निविदा प्रपत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि	ठेकेदार का वर्ग	निविदा की जानकारी: निविदा की अंतिम तिथि	निविदा की जानकारी: निविदा खोलने की तिथि	निविदा का प्रकार
1	वार्ड क्रमांक 05 पवन किराना स्टोर के पास शेड निर्माण कार्य	4.01	3010.00	750.00	03 माह	"D" Class and Above	01/09/2026 समय 03 बजे तक	03/09/2026 समय 03:30 बजे	तृतीय प्रकाशन
2	वार्ड क्रमांक 05 के सामुदायिक भवन के सामने बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य।	3.49	2650.00	750.00	03 माह	"D" Class and Above			
3	वार्ड क्रमांक 08 चबूतरा के साथ शेड निर्माण कार्य	4.71	4700.00	750.00	03 माह	"D" Class and Above	01/09/2026 समय 03 बजे तक	03/09/2026 समय 03:30 बजे	चतुर्थ प्रकाशन

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् सिमगा**

एक नजर

वेदांता ने शुरू किया बेमिसाल भारत-इन द मेकिंग अभियान

रायपुर, 21 अगस्त। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, वेदांता एल्युमीनियम ने 'बेमिसाल भारत- इन द मेकिंग' अभियान शुरू किया है। यह अभियान देश की विकास यात्रा में एल्युमीनियम की महत्वपूर्ण भूमिका को नए नजरिए से सामने लाता है। इंडिया इन द मेकिंग और संभावनाओं को हकीकत में बदलना की सोच पर आधारित यह अभियान एल्युमीना के एल्युमीनियम में बदलने और लगातार आगे बढ़ते, विकसित होते और खुद को नए रूप में ढालते भारत के बीच एक मजबूत समानता दर्शाता है। यह अभियान एल्युमीनियम को सिर्फएक औद्योगिक उत्पाद के रूप में देखने से आगे बढ़कर इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी, मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी और समुदायों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इसकी भूमिका को उजागर करता है। इस अभियान में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, उन्नत तकनीक और मानव क्षमता, खासकर महिलाओं की भूमिका को भारत की आगे की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण आधार के रूप में दिखाया गया है।

अमेजन डॉट इन के बेस्ट इन टेक सर्वे का खुलासा

रायपुर, 21 अगस्त। आज, Amazon.in ने पहले बेस्ट इन टेक सर्वे के निष्कर्षों का खुलासा किया है, जो यह समझने के उद्देश्य से किया गया एक ग्राहक अध्ययन है कि खरीदार अपनी तकनीक से क्या चाहते हैं। जुलाई 2026 में Amazon.in पर आयोजित इस सर्वे में सभी प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणियों में 40,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। ये निष्कर्ष सीधे तौर पर बेस्ट इन टेक अवाड्र्स के श्रेणी ढांचे को तैयार करते हैं, जो सितंबर 2026 में अपने दूसरे संस्करण के साथ लौट रहा है। एआई फीचर्स अब 82% स्मार्टफेन खरीदारों के खरीद निर्णयों को आकार देते हैं, जिसमें प्रासंगिक और रोजमर्रा की सहायता को सबसेअधिक महत्व दिया जाता है। जहां एआई एक बुनियादी उम्मीद बन चुका है, वहीं परफॉर्मेंस, बैटरी और कैमरा सबसे प्रभावशाली खरीद कारक बनकर उभरे हैं। ज़ेबा खान, डायरेक्टर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, अमेज़न इंडिया ने कहा, आज ग्राहक जिस तरह से स्मार्टफेन खरीदते हैं, वह बदल चुका है। जहां एआई केवल चर्चा का विषय न रहकर एक उम्मीद बन गया है, वहीं ग्राहक उन बुनियादी चीजों के बारे में भी पूरी तरह स्पष्ट हैं जो आज भी मायने रखती हैं, जैसे परफॉर्मेंस, बैटरी, कैमरा।

इंडियन रेलवेज के साथ एमेजॉन की पार्टनरशिप मजबूत

रायपुर, 21 अगस्त। आज एमेजॉन इंडिया ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफइंडिया लिमिटेड (डीएफ्सीसीआईएल) के सहयोग से इंडियन रेलवेज के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर अपने ऑपरेशंस का विस्तार किया। इस विस्तार से उत्तरी और पश्चिमी भारत में एमेजॉन के मल्टीमोडल ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क में रेल की भूमिका मजबूत हुई है। इसके साथ ही, इंडियन रेलवेज के साथ एमेजॉन की लंबी पार्टनरशिप और अधिक मजबूत हुई है, जिसकी शुरुआत 2019 में हुई थी, जब एमेजॉन भारत में एक्सप्रेस पार्सल मूवमेंट के लिए रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल करने वाली पहली ई-कॉमर्स कंपनी बनी थी। 2023 में एमेजॉन ने ईकॉमर्स लॉजिस्टिक्स के लिए भारत के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इन्फ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल शुरू किया और वेस्टर्न डीएफ्सी के 659 किलोमीटर लंबे रेवाड़ी-पालनपुर सेक्शन पर ऑपरेशंस लॉन्च किए। घोषणा इस सफर का अगला चरण शुरू करती है और पश्चिमी भारत में एमेजॉन के डीएफ्सी फुटप्रिंट का विस्तार करती है।

व्यापार तथा निवेश संबंधों को मजबूत करने एमओयू

रायपुर, 21 अगस्त। दुबई चैंबर्स ने बेंगलुरु के एक उच्च-स्तरीय दौरे के दौरान एजेंटीक एआई में सहयोग को आगे बढ़ाने, दुबई और भारत के बीच व्यापार तथा निवेश को मजबूत करने और व्यापार विस्तार का समर्थन करने के लिए दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते नेशनल एसोसिएशन ऑफसॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) और फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफ्केसीसीआई) के साथ किए गए हैं। इस दौरे के तहत, दुबई चैंबर्स के अध्यक्ष और सीईओ महामहिम मोहम्मद अली राशिद लूता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख भारतीय व्यापारिक संगठनों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ आठ बैठकें कीं। इस कार्यक्रम में नैसकॉम डीपटेक, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) कर्नाटक राज्य परिषद, एफ्केसीसीआई और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) कर्नाटक राज्य परिषद के साथ संवाद शामिल थे।

एलजी की डेटा फैक्ट्री की वर्तमान स्थिति की समीक्षा

रायपुर, 21 अगस्त। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (एलजी) ने आज घोषणा की कि वह एनवीडिया के साथ अपने रोबोटिक्स सहयोग को तेज कर रहा है। एलजी ने सियोल, दक्षिण कोरिया में कंपनी के यांगजे आरएंडडी कैंपस में निर्माणाधीन अपनी डेटा फैक्ट्री में वरिष्ठ एनवीडिया अधिकारियों की मेजबानी की, ताकि दोनों कंपनियों के सहयोग की दिशा की समीक्षा की जा सके और आगे की सिनर्जी उत्पन्न करने के तरीकों पर चर्चा की जा सके। दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने एलजी की डेटा फैक्ट्री की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की, जिसके इस साल के अंत तक पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। एलजी ने डेटा उत्पन्न करने, एकत्र करने और उससे सीखने के लिए अपने स्वयं-विकसित, फील्ड-प्रूवन एलजी क्लोइड होम रोबोट्स को बड़े पैमाने पर तैनात किया है। ग्रुप में मुख्य क्षमताओं को एक साथ लाने वाले 'वन एलजी' पर निर्मित सिनर्जी - और ग्लोबल पार्टनर्स के साथ सहयोग से हम फिजिकल एआई में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता सुरक्षित करेंगे और एक व्यापक रोबोटिक्स सॉल्यूशंस प्रोवाइडर बनेंगे, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, ल्यू जे-चिओल ने कहा।

नगरीय निकायों के कार्यों की धीमी प्रगति पर साव नाराज

उप मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रायपुर, 21 अगस्त। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज जांजगीर जिला मुख्यालय में अपने चारों विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जांजगीर-चांपा और सक्ती जिले के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर दोनों जिलों में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री साव ने दोनों जिलों में संचालित विभागीय योजनाओं, विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित होना चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकायों में विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन कार्यों की स्वीकृति एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करें। उन्होंने कार्य प्रारंभ करने में देरी तथा कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्राथमिकता वाले कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने जांजगीर एवं सक्ती में निर्माणाधीन नालंदा परिसरों के कार्यों की समीक्षा करते हुए इन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है, इसलिए इसके निर्माण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। साव ने 15वें वित्त आयोग एवं स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में तेजी लाने तथा जल आवर्धन योजना के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत स्रोत पर कचरा पृथक्करण एवं संग्रहण को प्रभावी बनाने, एनर्जी बिल ऑडिट कराने तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्रोत्साहित करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि एवं पीएम आवास योजना सहित शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राही मूलक योजनाओं में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा पात्र हितग्राहियों के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री साव ने टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने एवं प्रगतिरत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों एवं सड़कों पर बने गड्ढों की प्राथमिकता के आधार पर तत्काल मरम्मत करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों की स्थिति बेहतर होने से नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए साव ने जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण एवं हैंडओवर की जा चुकी योजनाओं के सुचारू संचालन एवं नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पंचायत एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

एथेनॉल नीति के कारण बेकाबू हुए शक्कर के दाम : कन्हैया

रायपुर, 21 अगस्त। देश में रोजाना बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़कर रख दी है। कभी 30 प्रति किलो बिकने वाली शक्कर आज खुदरा बाजार में 60 से 65 प्रति किलो का आंकड़ा पार कर चुकी है। शक्कर की कीमतों में आई यह आग मोदी सरकार के प्रशासनिक कुप्रबंधन, गलत प्राथमिकताओं और जमाखोरों पर से नियंत्रण हटने का प्रत्यक्ष परिणाम है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने उक्ताशय का बयान जारी करते हुए कहा कि देश में गन्ने और चीनी की कोई वास्तविक कमी नहीं थी, लेकिन केंद्र सरकार की नीतियां ही इस संकट के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने खाद्य सुरक्षा की अनदेखी करते हुए गन्ने के बड़े हिस्से को एथेनॉल निर्माण (पेट्रोल ब्लेंडिंग) की ओर डाइवर्ट कर दिया। भोजन की बुनियादी जरूरत को किनारे रखकर ईंधन उद्योग को प्राथमिकता देने से बाजार में चीनी की किल्लत पैदा हुई। अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने बिना जमीनी आकलन के चीनी के अनियंत्रित निर्यात की अनुमति दी। जब घरेलू स्टॉक खतरनाक स्तर पर गिर गया, तब जाकर सरकार की नींद खुली और आनन-फानन में प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा उत्पादन वाले राज्य महाराष्ट्र और केंद्र दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद सट्टेबाजों और बड़े जमाखोरों पर कोई नकेल नहीं कसी गई, जिससे दामों में कृत्रिम उछाल आया।

चमोली टनल हादसा : छग के 4 मृत मजदूरों के परिजनों को 5-5 लाख देने की घोषणा

रायपुर, 21 अगस्त। उत्तराखंड के चमोली में 13 अगस्त को हुए दर्दनाक टनल हादसे में 10 मजदूरों की मौत हुई. मरने वालों में 4 मजदूर छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के निवासी थे. हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री साय ने मृतक श्रमिकों के परिजनों 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है. वहीं दो घायलों को इलाज के लिए 50-50 हजार रुपये देने के निर्देश दिए गए हैं. इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है, जबकि जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं. दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अफसरों पर आपत्तिजनक पोस्ट पर एफआईआर दर्ज

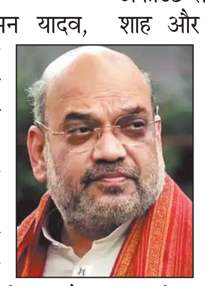

रायपुर, 21 अगस्त। सोशल मीडिया पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के अधिकारियों समेत कई बड़े लोगों को लेकर आपत्तिजनक और गलत जानकारी वाली पोस्ट शेयर करने का मामला सामने आया है। इस मामले में रायपुर के सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।भौगोलिक संदर्भ शिकायतकर्ता ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर इसके प्रसार से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। जांच में मिले तथ्यों के खिलाफआगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतकर्ता अमन यादव, निवासी श्याम नगर तेलीबांधा ने पुलिस को बताया कि इंस्टाग्राम पर cg_motu_patlu_18 और cg_motu_patlu_1257 नाम से संचालित अकाउंट से लगातार आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। आरोप है कि इन पोस्ट में छत्तीसगढ़ की जनता के साथ-साथ समाज और प्रशासन से जुड़े प्रतिष्ठित लोगों के खिलाफ अभद्र और अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इन अकाउंट से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कुछ अधिकारियों के वीडियो भी शेयर कर उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, पोस्ट और वीडियो इस तरह तैयार कर सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं, जिससे संबंधित लोगों की सार्वजनिक और सामाजिक छवि प्रभावित हो सकती है। साथ ही ऐसी सामग्री से सोशल मीडिया यूजर्स के बीच संबंधित लोगों के व्यक्तित्व और कार्यप्रणाली को लेकर गलत या भ्रामक धारणा बन सकती है। अमन यादव ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा कि किसी व्यक्ति की आलोचना या टिप्पणी करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा हो सकता है। लेकिन जानबूझकर झूठी, भ्रामक, अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना अलग मामला है।

उन्होंने पुलिस से दोनों इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच कर उनके संचालकों की पहचान करने और मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। सिविल लाइन थाना प्रभारी यामन देवांगन ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर सोशल मीडिया अकाउंट की गतिविधियों की जांच शुरू कर दी है।

उत्कृष्ट विद्यार्थियों को विधायक सुनील सोनी ने किया सम्मानित

रायपुर, 21 अगस्त। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने 20 अगस्त को रायपुर दक्षिण विस के 4 शासकीय स्कूलों (संत कवंरराम शाला कटोरातालाब, सुंदरी कालीबाड़ी स्कूल, शाला संतोषी नगर, रायपुर शाला मठपुरैना) के दसवी और बारहवी में उत्कृष्ठ स्थान (85 प्रतिशत से अधिक) प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उत्कृष्ठता प्रमाण पत्र वितरित करते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को 5000-5000 रूपये की प्रोत्साहन राषि प्रदान की और विद्यार्थियों के बीच जाकर संवाद किया। रायपुर दक्षिण विधानसभा के शासकीय एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों में 184 विद्यार्थियों ने वर्ष 2025-26 के प्रवीण्य सूची में अपना स्थान बनाया है। छात्रों को संबोधित करते हुए विधायक सोनी ने कहा कि अनुषासन और टाईम मैनेजमेंट सफ्लता का एक अचूक मंत्र है। जो विद्यार्थी समय के पाबंद रहेंगे, वह हमेषा सफ्लता प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अभी काफी समय है, पर विद्यार्थी अभी से मन लगाकर पढ़ाई करें और सभी कक्षाओं में अधिक से अधिक संख्या में प्रावीण्य सूची में अपना स्थान दर्ज करावें।

एम्स के दीक्षांत समारोह के आमंत्रण पत्र में सांसद बृजमोहन का नाम नहीं

रायपुर, 21 अगस्त। एम्स रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह से पहले आमंत्रण पत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। समारोह में उपराष्ट्रपति टी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, लेकिन रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल का नाम आमंत्रण पत्र में नहीं है। यही नहीं, एम्स सलाहकार समिति के सदस्य विजय बघेल, स्थानीय विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे का नाम भी अतिथियों की सूची में नहीं है। इसे लेकर भाजपा नेताओं और उनके समर्थकों में नाराजगी है।

एम्स रायपुर का तीसरा दीक्षांत समारोह 2 सितंबर को सुबह 11 बजे आयोजित होगा। समारोह में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, एम्स रायपुर के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) संजीव हांडा और कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) मौजूद रहेंगे। उपराष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर बैठने और मंच व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। इसी बीच स्थानीय सांसद का नाम आमंत्रण पत्र में नहीं होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया गया कि पिछले वर्ष भी दीक्षांत समारोह के आमंत्रण पत्र में सांसद बृजमोहन अग्रवाल का नाम नहीं था। उस समय भी इसे लेकर नाराजगी जताई गई थी। इसके पहले सांसद सुनील सोनी दीक्षांत समारोह में अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद रहते थे। खास बात यह है कि यह स्थिति तब है, जब केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है।

रक्षाबंधन पर 500 से 600 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान

रायपुर, 21 अगस्त। कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रक्षाबंधन को लेकर छत्तीसगढ़ के बाजारों में अच्छी खासी हलचल देखने को मिल रही है। राखी के साथ मिठाई, कपड़े, उपहार, कॉस्मेटिक्स, पूजा सामग्री एवं अन्य त्योहारी वस्तुओं की बिक्री में भी तेजी आने की उम्मीद है। अमर पारवानी ने कहा कि देशभर में इस वर्ष राखी का कारोबार लगभग 25 हजार करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं छत्तीसगढ़ में राखी एवं इससे जुड़े त्योहारी कारोबार का बाजार लगभग 500 से 600 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

कांग्रेस की नक्सलपरस्त मानसिकता सामने आई : श्यामबिहारी जायसवाल

रायपुर, 21 अगस्त। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'दिमागी नक्सली' से सचेत रहने की अपील और केन्द्र सरकार की सटीक रणनीति व प्रदेश सरकार के सक्रिय क्रियान्वयन से नक्सलियों के खात्मे पर कांग्रेस नेताओं के प्रलाप पर तंज कसा है। जायसवाल ने कहा कि जब-जब सुरक्षाबल और प्रदेश की भाजपा सरकार नक्सलियों की कमर तोड़ते हैं, तब-तब कांग्रेस नेताओं का नक्सलियों के प्रति 'विचारधारा प्रेम' जाग उठता है।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि नक्सलवाद को 'विचारधारा' कहकर कांग्रेस के लोग असल में नक्सलियों की खूनी वारदातों, निर्दोष आदिवासियों की हत्याओं और जवानों के बलिदान को जायज ठहराने की हास्यास्पद कोशिश कर रहे हैं। जिस खूनी रास्ते ने बस्तर को दशकों तक अंधकार में धकेला, उसे विचार बताकर और खुद के दिमागी नक्सली होने पर गर्व जताकर कांग्रेस नेता अपनी वही पुरानी नक्सल-समर्थक मानसिकता प्रदर्शित कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सटीक रणनीति और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में सुरक्षाबल अब इस हिंसा को जड़ से उखाड़ रहे हैं, जिससे कांग्रेस में घबराहट साफ दिख रही है। जायसवाल ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म मानने को दिमागी कमजोरी कहकर कांग्रेस नेता सीधे तौर पर हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस और बलिदान का अपमान कर रहे हैं।

आदर्श मंडल समिति ने मनाया आजादी का पर्व

रायपुर, 21 अगस्त। राजधानी के पुरानी बस्ती क्षेत्र में स्थित राज ठेठवार परिवार चौक में आदर्श मंडल समिति ने आजादी का पर्व मनाया। समिति के वरिष्ठ डॉ. रेवाराम यदु द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं देश भक्ति से सुसज्जित भारत माता एवं वीर सपूतों के एक से एक नारे लगाए गए साथ ही सभी ने एक दूसरे को आजादी दिवस की बधाई दिए उक्त अवसर पर समिति के डॉ. रेवाराम यदु, रमेशअनंत राम यदु, गजेश यदु, देवेंद्र शर्मा, संतोष अग्रवाल, प्रवीण झा, ललित यदु, राजकुमार पाण्डे, संतु अग्रवाल, संजू मिश्रा, युगल यदु, रविंद्र यदु, राहुल यदु, कमलेश यदु, नागेश यदु, पलाश अग्रवाल, विजय यादव, अमन अग्रवाल, कान्हा, रोहन, वासु यदु, दिव्यांश, पूर्वीक राजवंश, रघुराज, उमंग, गुलशन, राम, राजनंदनी, आर्वी, अनाया, सहित मोहल्लेवासी काफी संख्या में मौजूद रहे।

रायपुर के 10 जोन में शुरू होंगे ग्रेन एटीएम

रायपुर, 21 अगस्त। राजधानी में राशन वितरण की व्यवस्था को और आसान बनाने की दिशा में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। बिरगांव के ट्रांसपोर्ट नगर में शुरू किए गए अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम सेंटर को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बाद अब रायपुर शहर के सभी 10 जोन में एक-एक नया ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने की योजना बनाई जा रही है। विभाग की ओर से नए सेंटरों के लिए जगह चिन्हांकित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थान तय होने के बाद प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय को भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद संबंधित क्षेत्रों में ग्रेन एटीएम सेंटर शुरू किए जाएंगे।

बिरगांव में 12 दिन में 300 क्विंटल से ज्यादा चावल का वितरण : बिरगांव के ट्रांसपोर्ट नगर में शुरू हुए ग्रेन एटीएम सेंटर को अभी करीब 12 दिन ही हुए हैं, लेकिन इस अवधि में यहां 300 क्विंटल से अधिक चावल का वितरण किया जा चुका है। कम समय में राशन लेने की सुविधा और प्रक्रिया की सरलता के कारण कार्डधारकों की इसमें रुचि बढ़ी है। इसी सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए खाद्य विभाग अब इस मॉडल को रायपुर शहर के दूसरे इलाकों तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है।

आधार या राशन कार्ड नंबर और फिंगरप्रिंट से मिलेगा चावल: ग्रेन एटीएम की खासियत यह है कि राशन कार्डधारक को चावल लेने के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। मशीन में आधार या राशन कार्ड नंबर दर्ज करने के बाद फिंगरप्रिंट सत्यापन किया जाता है। सत्यापन पूरा होते ही पात्रता के अनुसार मशीन से चावल निकलने लगता है। चावल सीधे मशीन से बोरी में आता है। कार्डधारक को केवल बोरी पकड़नी होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कुछ ही मिनट लगते हैं, जिससे राशन वितरण में समय की बचत होती है।

वन विभाग में बड़े पैमाने पर तबादला

रायपुर, 21 अगस्त। छत्तीसगढ़ में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है. 9 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है. कई वन मंडलों के मंडलाधिकारी बदले गए हैं. इस संबंध में वन एंव जलवायु परिवर्तन विभाग से आदेश जारी हुआ है.

इन अधिकारियों को मिली नई पदस्थापना

सौरभ सिंह ठाकुर (2017)- गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, बैकुंठपुर से उप संचालक, हाथी रिजर्व, सरगुजा, अंबिकापुर पद पर स्थानांतरण.

दिनेश कुमार पटेल (2018)- वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मोहला से उप संचालक, अचानकमार टाइगर रिजर्व, लोरमी पद पर स्थानांतरण.

गणेश यू. आर. (2019)- उप संचालक, अचानकमार टाइगर रिजर्व, बिलासपुर से वनमंडलाधिकारी, अनुसंधान एवं विस्तार वनमंडल, बिलासपुर पद पर स्थानांतरण. साथ ही संचालक, अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व, बिलासपुर का अतिरिक्त प्रभार.

अभिनव कुमार (2021)- वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मुंगेली से वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मोहला पद पर स्थानांतरण.

एस. नवीन कुमार (2022)- संचालक, कांकेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर से वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), पश्चिम भानुप्रतापपुर पद पर स्थानांतरण.

गौतम पादीभर (2023)- उप वनमंडलाधिकारी, गौरेला वनमंडल, मरवाही से उप संचालक, कांकेर राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर पद पर स्थानांतरण.

श्वेता कंबोज (2023)- उप वनमंडलाधिकारी, अंबिकापुर वनमंडल से उप संचालक, गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, बैकुंठपुर पद पर स्थानांतरण.

सुमेध संजय सुरवणे (2023)- उप वनमंडलाधिकारी, सुकमा वनमंडल से उप संचालक, इंद्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर पद पर स्थानांतरण.

तन्मय कौशिक (2023)- उप वनमंडलाधिकारी, रायगढ़ वनमंडल से वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मुंगेली पद पर स्थानांतरण.

वन विभाग ने 2011 बैच की अधिकारी स्टायलो मंडावी को प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) के पद से मुक्त किया है. इसके साथ ही उन्हें इंद्रावती टाइगर रिजर्व, जगदलपुर के क्षेत्र निदेशक और मुख्य वन संरक्षक (प्रादेशिक), जगदलपुर के अतिरिक्त प्रभार से भी मुक्त किया गया है. यह व्यवस्था उत्तम कुमार गुप्ता के कार्यभार ग्रहण करने के दिन से प्रभावी होगी.

नहरपारा विकास समिति ने किया पौधारोपण

रायपुर, 21 अगस्त। नहरपारा विकास समिति के सौजन्य से नहरपारा डिवाइडर में आज समिति के कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप चावला ने एक आम का पेड़ लगाया, समिति के अध्यक्ष रमेश आहूजा ने सदस्य अमृतलाल पंजवानी, मनोहर खुर्सीजा, राजू खिलनानी, संरक्षक हरनाम तलरेजा, मनोहर ठाकरसी ने भी एक एक आम का वृक्ष लगाया आहूजा ने बताया कि डिवाइडर में हमारे कुल 51 पेड़ लगाने का लक्ष्य है जो कि शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा द्य नहरपारा में ट्रैफ्कि बहुत है वाहनों के प्रदूषण एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाए जा रहे हैं।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26